04 - चुनावी नतीजों का संदेश, सुनें सबकी करें जन की

05 - पहली बारिश और पंचतत्व की फुहार

A Daily News Magazine
इंदौर
मंगलवार, 11 जून, 2024

06- आजादी के बाद पहले स्थानीय सांसद, जो बने केंद्रीय राज्यमंत्री

07- वाकिफ कहाँ जमाना हमारी उड़ान से... वो और थे जो हार गए...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 234, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

कार्यभार संभाला

भारत के प्रधानमंत्री का पद संभालने के लिए पहुंचे नरेंद्र मोदी।

पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल की हुई पहली कैबिनेट मीटिंग, पीएम आवास को लेकर लिया बड़ा फैसला

देश में 3 करोड़ और घर बनाए जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरे कार्यकाल के लिए अपनी कैबिनेट बना ली है। जिसकी पहली बैठक आज यानी कि सोमवार को पीएम के लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर हुई। इस बैठक में अमित शाह, राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा समेत मोदी कैबिनेट के 30 मंत्री मौजूद रहे। मोदी कैबिनेट ने बैठक के दौरान पहला फैसला भी ले लिया गया है। मोदी कैबिनेट ने अपने पहले फैसले में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 3 करोड़ अतिरिक्त आवास बनाने का फैसला लिया गया। इन सभी घरों में सभी बुनियादी सुविधाएं होंगी। बता दें कि 10 साल में 4.21 करोड़ आवास बन चुके हैं।

सभी बुनियादी सुविधाओं से लैस होंगे ये घर- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 3 करोड़ अतिरिक्त परिवारों को उनके घर बनाने में सहायता देने के निर्णय की घोषणा की है, ताकि अधिक पात्र परिवारों के बीच आवास की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। 2015-16 से भारत सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में पात्र परिवारों को आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित घर बनाने में सहायता कर रही है।

पीएम मोदी ने कार्यभार संभाला, पीएमओ के अफसरों से बोले- हम और बेहतर कैसे कर सकते हैं

पीएम मोदी ने सोमवार को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) पहुंचकर कार्यभार संभाला। उन्होंने सबसे पहले किसान सम्मान निधि की फाइल पर साइन किए। पीएमओ पहुंचने पर कर्मचारियों ने मोदी का स्वागत किया।

मोदी ने पीएमओ के अफसरों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा, जिस टीम ने मुझे 10 साल में इतना कुछ दिया, उसमें हम क्या नया कर सकते हैं, हम और बेहतर कैसे कर सकते हैं, हम और तेज कैसे कर सकते हैं, और बेहतर स्केल पर कैसे कर सकते हैं। इन सबको लेकर अगर हम आगे बढ़ें तो मुझे विश्वास है कि देश के 140 करोड़ लोगों ने हमारे इन प्रयासों पर मुहर लगा दी है। चुनाव मोदी के भाषणों पर मोहर नहीं है, ये चुनाव हर सरकारी कर्मचारी की 10 साल की मेहनत पर मोहर है। इसलिए अगर कोई इस जीत का हकदार है तो वो सही मायने में भारत सरकार का हर कर्मचारी इस जीत का हकदार है।

सुप्रभात

कोई इतना प्यारा कैसे हो सकता है
फिर सारे का सारा कैसे हो सकता है
तुझ से जब मिल कर भी
उदासी कम नहीं होती
तेरे बग़ैर गुज़ारा कैसे हो सकता है
कैसे किसी की याद हमें ज़िंदा रखती है
एक ख़याल सहारा कैसे हो सकता है
यार हवा से कैसे आग भड़क उठती है
लफ़्ज़ कोई अंगारा कैसे हो सकता है
कौन ज़माने-भर की
ठोकरें खा कर ख़ुश है
दर्द किसी को प्यारा कैसे हो सकता है
हम भी कैसे एक ही शख़्स के
हो कर रह जाएँ
वो भी सिर्फ़ हमारा कैसे हो सकता है
कैसे हो सकता है जो कुछ भी मैं चाहूँ
बोल ना मेरे यारा कैसे हो सकता है ।

– जव्वाद शेख़

4 मंत्रालय में कोई परिवर्तन नहीं

शाह, राजनाथ, गडकरी, जयशंकर के मंत्रालय रिपीट

शिवराज को कृषि और मनोहर लाल खट्टर को ऊर्जा विभाग मिला, ज्योतिरादित्य सिंधिया दूर संचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के विभागों का बंटवारा सोमवार शाम 6:30 बजे किया गया। अमित शाह को फिर से गृह मंत्री, राजनाथ सिंह को रक्षा मंत्री, नितिन गडकरी को सड़क परिवहन मंत्री बनाया गया है। एस जयशंकर के पास विदेश मंत्रालय ही रहेगा।

शिवराज सिंह को कृषि मंत्रालय का जिम्मा दिया गया है। मनोहर लाल खट्टर को ऊर्जा विभाग दिया गया है। नितिन गडकरी के साथ दो राज्य मंत्री रहेंगे। अजय टम्टा और हर्ष मल्होत्रा को सड़क परिवहन राज्य मंत्री बनाया गया है। निर्मला सीतारमण लगातार दूसरी बार वित्त मंत्री का जिम्मा संभालेंगीष। शिवराज सिंह चौहान को कृषि मंत्रालय और, पंचायती राज मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय का जिम्मा दिया गया है। इसके साथ ही मनोहर लाल को ऊर्जा मंत्रालय के साथ-साथ शहरी विकास मंत्रालय दिया गया है। धर्मेंद्र प्रधान फिर शिक्षा मंत्रालय संभालेंगे। जीतनराम मांझी को एमएसएमई मंत्रालय दिया गया है। अश्विनी वैष्णव को सूचना प्रसारण मंत्रालय के साथ-साथ रेल मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। सर्वानंद सोनोवाल को फिर से पोर्ट शिपिंग मंत्री बनाया गया है।

नाम	मंत्रालय
राजनाथ सिंह	रक्षा मंत्री
अमित शाह	गृह मंत्री
नितिन गडकरी	सड़क एवं परिवहन मंत्रालय मंत्री
जेपी नड्डा	स्वास्थ्य मंत्री, रासायनिक एवं उर्वरक मंत्री
शिवराज सिंह	कृषि, ग्रामीण विकास मंत्री
निर्मला सीतारमण	वित्त मंत्री
एस जयशंकर	विदेश मंत्री
मनोहर लाल खट्टर	ऊर्जा, शहरी विकास मंत्री
पीयूष गोयल	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री
धर्मेंद्र प्रधान	शिक्षा मंत्री
जीतनराम मांझी	MSME मंत्री
राजीव रंजन	पंचायती राज और मत्स्य एवं पशुपालन मंत्री
सर्वानंद सोनोवाल	जहाजरानी मंत्री
डॉ. वीरेंद्र कुमार	सामाजिक एवं आधाकारिता मंत्री
राम मोहन नायडू	नागरिक उड्डयन मंत्री
प्रह्लाद जोशी	उपभोक्ता, नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री
जुएल ओरांव	आदिवासी मंत्री
गिरिराज सिंह	कपड़ा मंत्री
अश्विनी वैष्णव	रेल, सूचना प्रसारण, आईटी मंत्री
ज्योतिरादित्य सिंधिया	दूरसंचार मंत्री, नॉर्थ-ईस्ट विकास मंत्री
भूपेंद्र यादव	पर्यावरण मंत्री
गजेंद्र शेखावत	संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
अन्नपूर्णा देवी	महिला एवं बाल विकास मंत्री
किरन रिरिजू	संसदीय, अल्पसंख्यक मंत्री
हरदीप सिंह पुरी	पेट्रोलियम एंव गैस मंत्री
मनसुख मांडविया	श्रम एवं रोजगार, खेल एवं मंत्री
जी किशन रेड्डी	कोल एवं खनन मंत्रालय
चिराग पासवान	खाद्य प्रसंस्करण मंत्री
सीआर पाटिल	जलशक्ति मंत्री

विस्तृत सूची पेज 8 पर

शिवराज सिंह चौहान उन्हें यह मुकाम अपनी राजनीतिक शैली से मिला

शिवराज सिंह चौहान अब मध्यप्रदेश के नहीं केंद्र की राजनीति के भी बड़े नेता हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल में शपथ के दौरान उन्हें पार्टी में जिस तरह तवज्जो दी गई, वो उनके राजनीतिक भविष्य का संकेत है। चार बार मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह ने अपने कार्यकाल में कुछ ऐसे कमाल किए, जो मिसाल बन गए। वही उनकी लोकप्रियता की वजह भी बने। अपनी इन्हीं क़ाबलियत से अब वे राज्य से निकलकर केंद्र के बड़े आकाश में पहुंच गए हैं।

टिप्पणी
हेमंत पाल
लेखक 'सुबह सवेरे' इंदौर के स्थानीय संपादक है।

शिवराज सिंह अब मध्य प्रदेश की राजनीतिक सीमा से बाहर निकलकर केंद्र की राजनीति का हिस्सा बन गए। बात सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है, इससे कहीं बहुत ज्यादा है। इसलिए कि प्रदेश के इस पूर्व मुख्यमंत्री के राजनीतिक भविष्य लेकर पिछले चार महीने में बहुत सारे अनुमान लगाए गए। लेकिन, किसी भी अनुमान में यह पुख्ता तथ्य नहीं था कि वे राज्य के मुख्यमंत्री पद से निकलकर केंद्र में कोई बड़ी जिम्मेदारी निभाएंगे। केंद्रीय मंत्री बनना बड़ी बात है, पर उससे भी बड़ा है पार्टी में तवज्जो मिलना, जो आज शिवराज सिंह को मिली। एनडीए सरकार के शपथ समारोह में शिवराज सिंह को जो जगह दी गई, यह एक तरह का इशारा है कि उनका भविष्य किस दिशा में जाएगा! उन्होंने प्रधानमंत्री के बाद 6ठे नंबर पर शपथ ली।

राजनीति में अमूमन दो तरह के नेता होते हैं। एक वे जो सत्ता के समीकरण गढ़ने में माहिर होते हैं और हर स्थिति में खुद के लिए जगह बना लेते हैं। ऐसे नेताओं की संख्या अनगिनत है। लेकिन, जब वे राजनीति के दायरे बाहर होते हैं, तो उन्हें पहचाना भी नहीं जाता। दूसरी तरह नेता लोगों के दिलों में जगह बनाकर राज करते हैं। राजनीति तो वे करते ही हैं, पर जनता से उनका जुड़ाव दिल से होता है और यह दिखाई भी देता है। भारतीय राजनीति के केंद्र में ऐसे नेताओं में जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के बाद अटल बिहारी का नाम लिया जा सकता है। राज्यों की राजनीति में यह जगह पश्चिम बंगाल में ज्योति बसु, तमिलनाडु में जयललिता, ओडिसा में वीजू पटनायक और मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह को ही मिली। ये चार नेता बरसों तक अपने राज्यों में मुख्यमंत्री रहे, लेकिन जनता के दिलों में बसकर। उन्होंने कोई जादू नहीं चलाया, बस अपनी काम करने की शैली ऐसी रखी जिसमें जनभावना झलकती रही।

शिवराज सिंह ने मुख्यमंत्री पद के अपने करीब 18 साल लम्बे कार्यकाल में सबसे बड़ा कमाल यह किया कि जनता ने उन्हें अपना मान लिया। जबकि, किसी नेता के प्रति जनता ऐसी भावना कम ही रखती है। इसका कारण यह कि नेताओं को कभी ईमानदार जनसेवक के रूप में नहीं देखा जाता। लोगों को लगता है कि नेता जो करते हैं, दिखावे के लिए करते हैं। उनकी हर बात में राजनीतिक स्वार्थ छुपा होता है। लेकिन, शिवराज सिंह अपने पूरे कार्यकाल में उससे परे रहे। उनके काम करने शैली, जनता से जुड़ाव का तरीका और उनके फैसलों से भी अलग झलक दिखाई देती रही।

वे बालिकाओं के 'मामा' बने रहे, तो महिलाओं के 'भाई।' ये दोनों सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि एक नजदीकी रिश्ते का प्रतीक है, जो शिवराज सिंह ने प्रदेश में बनाया और उसे निभाया भी। आज प्रदेश में शिवराज सिंह अपने नाम से ज्यादा 'मामा' नाम से लोकप्रिय है। उन्होंने गरीब लड़कियों की पढाई और शादी के लिए जो योजनाएं चलाई, वे बाद में देश के कई राज्यों ने अपनाई। इसके बाद अपने चौथे कार्यकाल से कुछ पहले उन्होंने 'लाड़ली बहना' नाम से गरीब महिलाओं की आर्थिक मदद की जो योजना संचालित की, उसने उनकी जड़े तो मजबूत की ही, मध्यप्रदेश में भाजपा की जड़ें भी इतनी गहराई तक उतार दी कि जिन्हें न तो विधानसभा चुनाव में हिलाया जा सका और न लोकसभा चुनाव में। इसका श्रेय सिर्फ शिवराज सिंह के खाते में हो दर्ज होगा।

जिन्होंने शिवराज सिंह को नजदीक से देखा और समझा है, वे जानते हैं कि वे सिर्फ कार्य शैली से ही जनता के नेता नहीं हैं, उनकी भाव भंगिमाएं और भाषा शैली भी जनता और खासकर महिलाओं को प्रभावित करती है। इसे उनका राजनीतिक चातुर्य ही समझा जाना चाहिए कि उन्होंने परिवार की महिलाओं के दिलों में 'भाई' की तरह जगह बनाई। उससे पहले बालिकाओं के 'मामा' बनकर जिम्मेदारी निभाई। उनके इन दो फैसलों ने मध्यप्रदेश में भाजपा की राजनीति का चेहरा ही बदल दिया। इसी का नतीजा है कि उन्हें सम्मान के साथ केंद्र में जगह दी गई। अब वे सिर्फ केंद्र सरकार के ही बड़े नेता नहीं हैं, पार्टी में ओबीसी का भी बड़ा चेहरा हैं।

शिवराज सिंह में और अच्छी बात ये भी है, कि वे कभी पार्टी लाइन लांघने की कोशिश नहीं करते। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने हमेशा राजनीतिक मर्यादा का पालन किया। इस बार के विधानसभा चुनाव में सारी मेहनत के बावजूद जब उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया, तब भी वे संयत बने रहे और पार्टी के फैसलों को शिरोधार्य किया। उनमें एक अच्छाई यह भी है कि वे पार्टी के आदेश का पालन करने में कार्यकर्ता बन जाते हैं, जो बड़े नेताओं में दिखाई नहीं देता। जबकि, शिवराज सिंह ने मुख्यमंत्री पद न मिलने के बाद भी वही किया, जो पार्टी ने कहा। उनके किसी बयान और भाव से कभी नहीं झलका कि उन्हें पांचवी बार मुख्यमंत्री न बनाए जाने की पीड़ा है। वे हमेशा कहते आए हैं, कि वे पार्टी के कार्यकर्ता हैं, पार्टी उन्हें जो काम सौंपेगी, वे उसे जिम्मेदारी से निभाएंगे। उन्हें विदिशा से लोकसभा चुनाव लड़ने का निर्देश मिला, वे लड़े और 8 लाख से ज्यादा वोटों से जीते भी। यही वजह है कि आज वे ऊंचाई पर पहुंच गए जहां से आगे बढ़ने के सारे रास्ते खुले दिखाई देते हैं।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 44.5°c
न्यूनतम 36°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 11 जून 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

एनडीए में जश्न से पहले ही खटपट!

- टीडीपी मांग रही स्पीकर का पद, शिंदे के विधायक बीजेपी की दखंलदाजी से नाराज

मुंबई (एजेंसी)। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में तीसरी बार सरकार बनने के बाद एनडीए में सबकुछ ठीक नहीं होने के संकेत मिल रहे हैं। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) जहां लोकसभा स्पीकर के पद को लेकर अड़ी हुई हैं तो वहीं दूसरी महाराष्ट्र

में एनडीए यानी महायुति में विवाद की स्थिति सामने आ रही है। सूत्रों की मानें तो शिवसेना के विधायक बीजेपी की दखंलदाजी से नाराज हैं। विधायकों का अंसतोष सामने आने के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधायकों के साथ बैठक की है। केंद्र में मोदी 3.0 की शपथ के बाद दोनों दलों के रवैए ने एनडीए के रणनीतिकारों को चिंतित कर दिया है। एनडीए के पूर्व की सरकारों में लोकसभ स्पीकर का पद छोटे दल के पास रहा है।

सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान

- 10 जुलाई को मतदान और 13 को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की चार सीटों सहित सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर

उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया। उपचुनाव मौजूदा सदस्यों की मृत्यु या इस्तीफे के कारण रिक्त सीटों पर कराए जाएंगे। जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें बिहार की रूपौली, पश्चिम बंगाल की रायगंज, रानाघाट दक्षिण, बागदा और मानिकतला, तमिलनाडु की विक्रवंडी,मध्यप्रदेश की अमरवाड़ा, उत्तराखंड की बद्रीनाथ और मंगलौर, पंजाब की जालंधर पश्चिम और हिमाचल प्रदेश की देहरा, हमीरपुर और नालागढ़ शामिल हैं।

म.प्र., उ.प्र. समेत 5 राज्यों में 5 दिन हीटवेव चलेगी, मुंबई में 2 दिन पहले पहुंचा मानसून

बिहार में गर्मी से स्टूडेंट्स की तबीयत बिगड़ी

नईदिल्ली (एजेंसी)। मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, बिहार में हीटवेव चल रही है। आज से बिहार के सरकारी स्कूल खुल गए हैं। गर्मी की वजह से फिर से स्कूलों में बच्चों की

तबीयत बिगड़ने लगी। शेखपुरा में 6, छपरा में एक, पटना के बिहटा में एक और बक्सर में एक छात्रा की तबीयत खराब हो गई। बक्सर में स्कूली छात्रा को अस्पताल ले जाया गया। बिहटा में छात्रा की नाक से खून निकलने लगा। इन सभी जिलों में पारा 40 डिग्री के पार है। 9 जून को प्रयागराज 45.9 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। वहीं टीकमगढ़, गया और रोहतक में भी पारा 44 डिग्री दर्ज किया गया।

समाज के सेवक हैं, शासकीय अधिकारी-कर्मचारी : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

शासकीय सेवकों की कार्यशैली में मानवीयता एवं संवेदना जरूरी

मुख्यमंत्री ने आईएएस, आईएफएस तथा राज्य सिविल सेवा अधिकारियों के संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शासकीय अधिकारी-कर्मचारी इस भावना से कार्य करें कि वे सरकार के नहीं समाज के सेवक हैं। उनकी कार्यशैली में मानवीयता व संवेदना का सदैव प्रकटीकरण होना चाहिए। शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों को प्राप्त अधिकार जन-आकांक्षाओं और जनहित की पूर्ति के लिए हैं और उनकी जनता के प्रति जबावदारी है। शासकीय सेवा बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करती है साथ ही यह परीक्षा भी लेती है। सामान्यतः व्यक्ति जब अधिकार संपन्न होता है तो उसमें ठहराव और स्थिरता का भाव आ जाता है, जबकि हमें निरंतर सचेत और सक्रिय रहना है। शासकीय सेवा केवल नौकरी नहीं अपितु समाज के लिए सर्वश्रेष्ठ करने की बड़ी जिम्मेदारी है। हमें जो भी भूमिका मिल रही है उसे हम पूर्ण आत्मविश्वास के साथ बेहतर से बेहतर तरीके से निभाने का प्रयत्न करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशासन अकादमी भोपाल में भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय वन सेवा, राज्य सेवा अधिकारियों के संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को नई दिल्ली से ऑनलाइन संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षुओं से किया संवाद

आर.सी.पी.वी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में भारतीय प्रशासनिक सेवा 2023 बैच का राज्य प्रशिक्षण कार्यक्रम, भारतीय वन सेवा 2022 बैच का आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम और राज्य सिविल सेवा 2019-20 बैच का संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 जून से आरंभ हो रहा है। प्रशासन अकादमी में कार्यक्रम का शुभारंभ अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन तथा महानिदेशक प्रशासन अकादमी श्री विनोद कुमार, अपर मुख्य सचिव वन श्री जे.एन. कंसोटिया, सचिव सामान्य प्रशासन श्रीमती जी.वी. रश्मि तथा संचालक प्रशासन अकादमी श्री मुजीबुर्रहमान ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशासन अकादमी के संकल्प गीत का गायन भी हुआ। शुभारंभ अवसर पर सभी प्रशिक्षुओं ने अपना परिचय दिया।

लोकहित में किया गया कार्य ही सुशासन है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों से सुशासन के लिए कार्य करने की अपेक्षा है। उन्होंने सुशासन की व्याख्याता करते हुए कहा कि लोकहित में किया गया कार्य ही सुशासन है। भगवान श्री राम का रामराज्य तथा सम्राट विक्रमादित्य व सम्राट अशोक का कार्यकाल प्रशासनिक दक्षता और सुशासन का पर्याय माना जाते हैं। उन्होंने से कहा कि वे समय का सदुपयोग सर्वश्रेष्ठ रूप में करें और अपनी क्षमता व योग्यता के दम पर निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास करें।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 9, भारतीय वन सेवा के 15 और राज्य सिविल सेवा के 127 प्रशिक्षु प्राप्त करेंगे प्रशिक्षण

अपर मुख्य सचिव तथा महानिदेशक प्रशासन अकादमी श्री विनोद कुमार ने कहा कि चयनित प्रतिभाओं को लोकसेवा के प्रति उन्मुख करना आधारभूत प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है। प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश की प्रशासनिक संरचना, प्रशासक प्रणाली, नियम प्रक्रियाओं को शामिल किया गया है। इसके साथ ही प्रतिभागियों को प्रदेश की सामाजिक, आर्थिक भौगोलिक एवं सांस्कृतिक पहलूओं से भी रू-ब-रू कराया जाएगा। संचालक प्रशासन अकादमी श्री मुजीबउर्रहमान ने बताया कि संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारतीय प्रशासनिक सेवा के 9, भारतीय वन सेवा के 15 और राज्य सिविल सेवा के 127 प्रशिक्षु प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

बांग्लादेशी पीएम हसीना का सोनिया ने गले लगाकर गर्मजोशी से किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी सांसद राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार की दोपहर नई दिल्ली में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा, हमने भारत और बांग्लादेश के बीच विश्वास, सहयोग और आपसी विकास की प्रतिबद्धता पर आधारित बंधन को और मजबूत करने के लिए कई विषयों पर चर्चा की। हसीना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए पहुंचीं थीं। उन्होंने रविवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में शिरकत की। शपथ ग्रहण समारोह में नेपाल के प्रधानमत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोब्गे सहित पड़ोसी देशों के शीर्ष नेता शामिल हुए।

मेरे मंत्री पद छोड़ने की बात गलत: सुरेश गोपी

- रविवार को राज्य मंत्री की शपथ ली थी; केरल से भाजपा के पहले सांसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में राज्यमंत्री बने सुरेश गोपी ने सोमवार को मंत्री पद छोड़ने वाली खबरों को गलत बताया है। सुरेश ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, कुछ मीडिया प्लेटफॉर्म गलत खबर फैला रहे

हैं कि मैं मोदी सरकार के मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने जा रहा हूं। यह पूरी तरह गलत है। मोदी जी के नेतृत्व में हम केरल के विकास और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दरअसल, एक मलयालम टीवी चैनल ने गोपी के हवाले से दावा किया था कि वे मंत्री नहीं बनना चाहते हैं और एक सांसद के रूप में काम करेंगे। एक्टर से राजनेता बने गोपी ने लोकसभा चुनाव जीतने के बाद कहा था कि वे फिल्म इंडस्ट्री नहीं छोड़ेंगे क्योंकि एक्टिंग उनका जुनून है।

राहुल गांधी की केरल यात्रा से पहले राजनीति गर्म

रायबरेली रखेंगे या वायनाड सीट छोड़ेंगे

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की रायबरेली और केरल की वायनाड सीट से जीत दर्ज की है। हालांकि, एक ओर वह रायबरेली की जनता को बधाई दे रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस नेता अब वायनाड का दौरा करने वाले हैं। राहुल गांधी के वायनाड दौरे से पहले राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार तेज हो गया है।

12 जून को राहुल गांधी जाएंगे वायनाड- मीडिया सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी 12 जून को केरल के वायनाड का दौरा कर सकते हैं। मालूम हो कि कांग्रेस नेता की केरल दौरान हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में वायनाड लोकसभा क्षेत्र में भारी जीत हासिल करने के कुछ दिनों बाद हो रही है। उन्होंने वायनाड लोकसभा सीट से अपने निकटतम

प्रतिद्वंद्वी और सीपीआई उम्मीदवार एनी राजा को 3,64,422 मतों के अंतर से हराया था।

इस सीट को छोड़ सकते हैं राहुल गांधी?

वहीं, राहुल गांधी की वायनाड यात्रा से पहले विपक्षी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (UDF) ने 12 जून को घोषित राज्य विधानसभा तक विरोध मार्च को स्थगित करने का ऐलान कर दिया है। राजनीतिक गलियारों में ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट को छोड़ सकते हैं और उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के पारंपरिक गढ़ रायबरेली को बरकरार रख सकते हैं। मालूम हो कि राहुल गांधी अक्सर वायनाड को अपना परिवार बताते रहते हैं।

लखीमपुर में बड़ा हादसा

घाघरा नदी में डूबने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में सोमवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। पढ़ुआ थाना क्षेत्र के तेलियार में एक ही परिवार के पांच सदस्य घाघरा नदी में डूब गए। इनमें 12 साल के बालक समेत चार की मौत हो गई। जबकि 12 वर्षीय बच्ची की हालत गंभीर है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

केजरीवाल सरकार से सुप्रीम कोर्ट नाराज

हमें हल्के में न लें, नहीं तो हम...,सिंघवी को भी लगा दी फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में जल संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। दिल्ली में अतिरिक्त पानी की मांग के लिए दिल्ली की केजरीवाल सरकार सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पहुंची हुई है। उसी मामले की सुनवाई के दौरान केजरीवाल सरकार से सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई और सुनवाई टाल दी।

दिल्ली सरकार को फटकार- मीडिया के अनुसार, सोमवार को कोर्ट ने दिल्ली सरकार को उसकी याचिका में खामियों को दूर न करने पर फटकार लगाई, जिसमें हरियाणा को निर्देश देने की मांग की गई थी कि वह हिमाचल प्रदेश द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में जल संकट को कम करने के लिए दिए गए अतिरिक्त पानी को जारी करे।

हमें हल्के में न लें...- न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की अवकाश पीठ ने दिल्ली सरकार के वकील से कहा कि सरकार द्वारा दायर याचिका में खामियों के कारण

रजिस्ट्री में हलफनामे स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। आपने खामियों को दूर क्यों नहीं किया? हम याचिका खारिज कर देंगे। पिछली तारीख पर भी इस ओर ध्यान दिलाया गया था और आपने खामियों को दूर नहीं किया। अदालती कार्यवाही को हल्के में न लें, चाहे आपका मामला कितना भी महत्वपूर्ण क्यों न हो।

तो हम मीडिया रिपोर्टों से प्रभावित होंगे...

पीठ ने इसके बाद मामले की सुनवाई 12 जून तक के लिए स्थगित करते हुए कहा, सब कुछ रिकॉर्ड पर आ जाना चाहिए। हम इसे परसों लेंगे। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह मामले की सुनवाई से पहले फाइलें पढ़ना चाहती है, क्योंकि अखबारों में बहुत सी बातें बताई जा रही हैं। अगर हम अपने आवासीय कार्यालय में फाइलें नहीं पढ़ेंगे तो अखबारों में जो कुछ भी लिखा जाएगा, उससे हम प्रभावित होंगे।

हरियाणा के वकील ने भी दाखिल किया जवाब

शुरुआत में हरियाणा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने राज्य सरकार द्वारा दाखिल जवाब प्रस्तुत किया। शीर्ष अदालत ने दीवान से पूछा कि उन्होंने अब जवाब क्यों दाखिल किया।

प्रधानमंत्री मोदी की कनाडा को दो टूक, बोले-

बेहतर संबंधों के लिए एक-दूसरे की चिंताओं पर ध्यान देना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते दिनों कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में खालिस्तान आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रूडो ने कनाडा की संसद में निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर लगाया और कहा कि भारत को कनाडा में कानून के शासन का सम्मान करना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरे कार्यकाल की जीत के लिए दुनियाभर से बधाई संदेश मिले। इन बधाई संदेशों में एक संदेश कनाडा की सरकार का भी है। कनाडा की सरकार ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी को तीसरे कार्यकाल की जीत के लिए बधाई देते हुए कुछ ऐसा कहा, जिसे भारत पर तंज कहा जा सकता है। अब प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडा की सरकार के संदेश का जवाब देते हुए उसी की भाषा में करारा जवाब दिया है।

कनाडा ने परोक्ष रूप से कसा तंज- दरअसल कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रूडो ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी की जीत के लिए बधाई देते हुए लिखा 'कनाडा की सरकार, भारत के साथ अपने संबंधों को बेहतर करने के लिए तैयार है और ये संबंध मानवाधिकार, विविधता और कानून के शासन के आधार पर होने चाहिए।' गौरतलब है कि बीते दिनों कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में खालिस्तान आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

कांग्रेस नेता के बेटे की हत्या, 2 दोषियों को फांसी

इंदौर में अपहरण कर मांगी थी 4 करोड़ की फिरौती; 16 महीने बाद मिली सजा

इंदौर (नप्र)। इंदौर जिला कोर्ट ने पिगडंबर में 4 करोड़ रुपए की फिरौती नहीं मिलने पर कांग्रेस नेता के बेटे हर्ष चौहान (6) की हत्या पर फैसला सुनाया है। दो आरोपियों को मृत्युदंड दिया है। एक अन्य आरोपी को बरी कर दिया गया है। घटना 5 फरवरी 2023 को हुई थी। वकील आशीष शर्मा ने बताया मुख्य आरोपी विक्रांत और ऋतिक को फांसी की सजा सुनाई है। अन्य आरोपी हरिओम को दोषमुक्त (बरी) कर दिया है। बता दें कि हर्ष के पिता जितेंद्र चौहान कांग्रेस के नेता हैं।

बच्चे के मुंह में कपड़ा ठूंसकर की थी हत्या

इंदौर के पिगडंबर में 5 फरवरी 2023 को 4 करोड़ की फिरौती के लिए 6 साल के हर्ष पिता जितेंद्र चौहान चौहान की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मुख्य आरोपी रिश्तेदार ऋतिक (पिगडंबर), उसका दोस्त विक्रांत (राऊ), हरिओम (शाजापुर) और ऋतिक के छोटे भाई को गिरफ्तार किया गया था। आरोप था कि ऋतिक और विक्रांत ने बच्चे हर्ष को कार में बैठाने के बाद उसके मुंह में कपड़ा ठूंसा और टेप लगाकर उसका मुंह बंद कर मारा था। घटना का मास्टर माइंड ऋतिक मृत बच्चे के पिता जितेंद्र के भांजे का भांजा ही है जो पिगडंबर में ही अलग कमरे में रहता था। बावजूद, ऋतिक ने अपने दोस्त विक्रांत के साथ मिलकर जितेंद्र के बेटे हर्ष का अपहरण किया और उसकी जान ले ली। वह 4 करोड़ रुपए फिरौती में चाहता था लेकिन जब पकड़ाने का डर हुआ तो अपहृत बच्चे हर्ष की हत्या कर दी।

पिता के आवेदन पर दूसरी कोर्ट में ट्रांसफर हुआ था केस

इस हत्याकांड पर फैसला मार्च में ही आ सकता था क्योंकि आरोपी ऋतिक एक कबूलनामा पेश कर चुका था। जब फैसले में देरी हुई तो हर्ष के पिता जितेंद्र चौहान ने जिला कोर्ट में आवेदन किया। इसमें कहा था कि यह प्रकरण क्रमांक 30/2023 अपर सत्र न्यायाधीश की कोर्ट में लंबित है। केस का जल्द निराकरण नहीं किया जा रहा है। इससे फरियादी को न्याय मिलने में देरी हो रही है। पहले भी न्याय के लिए गुहार लगाई गई। न्यायालय से न्याय हित में निवेदन है कि आवेदन पत्र स्वीकार कर केस को अन्य न्यायालय में ट्रांसफर करने का आदेश पारित करने की कृपा करें। इसके बाद केस को जिला कोर्ट ने महू से हटाकर विशेष न्यायालय इंदौर में ट्रांसफर कर दिया था। सोमवार को इस पर फैसला सुना दिया गया है।

आरोपी ने कबूलनामा लिखा था कि हां मैंने ही मारा है

सुनवाई के दौरान आरोपी ऋतिक ने सहानुभूति हासिल करने के लिए एक कबूलनामा भी पेश किया था। इसमें उसने कहा था कि मैं अपना अपराध स्वीकार करता हूं। हर्ष का अपहरण पुरानी रंजिश और फिरौती के लालच में किया था। दुर्घटना वश हर्ष की जान चली गई। पूरी घटना को मैंने अंजाम दिया है। घटना में विक्रांत ठाकुर और हरिओम वाघेला (साथी आरोपी) का कोई हाथ नहीं है। मैंने विक्रांत के नशे का आदी होने की कमजोरी का फायदा उठाया। ये बात मैं अपने पूरे होश और बिना किसी दबाव के कह रहा हूं। इसी सात पन्ने के कबूलनामे पर सरकारी वकील को शक हुआ। उसने कोर्ट से कहा था कि यह कबूलनामा सहानुभूति बंटोरने की कोशिश है और संदिग्ध भी..। इसके सिर्फ दस्तखत आरोपी से मेल खाते हैं। बाकी चिट्ठी की राइटिंग अलग ही है। चिट्ठी की जांच होनी चाहिए कि यह किसने लिखी? इसी संदेह के बाद जेलर से रिपोर्ट मांगी गई थी। जिसके जवाब में यह बात साफ हो गई है कि सरकारी वकील का शक सही था। आरोपी विक्की उर्फ विक्रांत के साथ ऋतिक (दाएं)। ऋतिक और विक्रांत पुराने दोस्त हैं। ऋतिक बच्चे हर्ष की बुआ का बेटा है। उसने अपने छोटे भाई को भी किडनैप और हत्या की साजिश में शामिल किया था। उसका छोटा भाई नाबालिग है।

मां ने भी की थी फांसी की मांग

मामले में मृतक हर्ष के परिवारजनों की तरफ से घटना के बाद आरोपी को फांसी देने की मांग की गई थी। मां रंजना ने कहा था कि आरोपियों को फांसी होने पर ही हर्ष की आत्मा को शांति मिलेगी। वो जेल में रोटी खा रहे और हम मां-बाप रोज मर रहे।

इस बार खंडवा के रास्ते मानसून का मंगल प्रवेश

इंदौर में 2 से 3 दिन में पूरी तरह सक्रिय होंगे बरसने वाले बादल

इंदौर(नप्र)। दक्षिण-पश्चिम मानसून इस बार हमारे यहां बुरहानपुर, खंडवा से होते हुए प्रवेश करेगा। अच्छी बात यह है कि शनिवार को महाराष्ट्र खासकर मुंबई में मानसून सक्रिय हो चुका है। मुंबई में आने का मतलब है कि इंदौर में दो से तीन दिन में बरसने वाले बादल सक्रिय हो जाएंगे। इस बार

20 जून से पहले ही मानसून घोषित होने के पूरे आसार हैं। 1 जून से कुल बारिश का खाता शुरू हो जाता है। अब तक 23.7 मिलीमीटर यानी 1 इंच के करीब पानी बरस चुका है। इस बार मई में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी का असर जून के पहले हफ्ते में भी रहा। हफ्ते के ही शुरुआती दो दिनों में तापमान 40 डिग्री से ज्यादा रहा। फिर पूरे हफ्ते गर्मी और उमस रही। यह हफ्ता पिछले साल की तुलना में ज्यादा असर कारक रहा। पिछले साल पहले हफ्ते में दिन का तापमान औसतन 38 डिग्री सेल्सियस था, जो इस बार 39 डिग्री है। रात का तापमान पिछले साल औसतन 24 डिग्री था। इस बार 26 डिग्री सेल्सियस है। पूरे हफ्ते मौसम का ट्रेण्ड ऐसा रहा कि दिनभर गर्मी, उमस और शाम को बादलों के छाने और बूंदाबांदी, हल्की बारिश का रहा। इस बार 20 जून को मानसून के आगमन के आसार हैं। इस बार जून के पहले हफ्ते जिस तरह से तापमान रहा, मानो अभी गर्मी की विदाई नहीं हुई। फिर 8 जून को तापमान में तेजी से गिरावट आई। 7 जून को तापमान जहां 40 डिग्री से ज्यादा था वह लुढ़ककर 33 डिग्री पर आ गया। रात का तापमान भी पूरे हफ्ते औसतन 26 डिग्री सेल्सियस रहा। दरअसल, जून माह का मिजाज ऐसा है कि सतही हवाएं सामान्यतः पश्चिमी से आती है। जून माह का औसतन अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस रहता है।

गोवंश तस्करी के खिलाफ विहिप का कलेक्टोरेट पर प्रदर्शन

महिलाओं सहित हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ता जुटे ; मजबूत कानून की मांग

इंदौर (नप्र)। गोवंश हत्या और उनकी तस्करी को लेकर सोमवार को विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने कलेक्टोरेट समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया। विहिप के मालवा प्रांत गो रक्षा विभाग, देशी गोवंश संरक्षण व संवर्धन समिति के बैनर तले किए प्रदर्शन में हिन्दू संगठनों की काफी संख्या में महिलाएं भी शामिल थी। सभी ने गोवंश हत्या और तस्करी का जमकर विरोध करने के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया। कार्यकर्ताओं ने गो तस्करों के खिलाफ मजबूत कानून लाने की मांग की। यह प्रदर्शन आज सिर्फ इंदौर में ही नहीं बल्कि पूरे मप्र और छत्तीसगढ़ में किया जा रहा है। कार्यकर्ता बड़ी संख्या में तख्तियां लेकर कलेक्टोरेट पहुंचे। गो रक्षा समिति इंदौर विभाग प्रमुख योगेश होलानी ने बताया कि बात सिर्फ गाय की नहीं है बल्कि केड़े, बैल सहित पूरे गोवंश की है। पिछले दिनों पुलिस ने 90 केड़े पकड़े थे। बाद में आरोपी छूट गए। उन्होंने कहा कि मप्र का कानून लचर है। इसके लिए उत्तराखण्ड जैसा मजबूत कानून होना चाहिए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि गो हत्या व तस्करी रोकने के लिए बजरंग दल लगातार प्रयासरत है। इसके बावजूद जमकर तस्करी हो रही है। प्रदर्शन के बाद समिति पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम एडीएम रोशन राय को ज्ञापन दिया और गोवंश तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

एमटीएच में पानी की किल्लत, परेशानियों को लेकर रेजिडेंट डॉक्टर्स का डीन ऑफिस पर धरना

इंदौर (नप्र)। एमटीएच में पिछले कुछ दिनों से पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं होने ने मरीजों और डॉक्टरों की परेशानियां बढ़ती जा रही है। सोमवार को गुस्साए रिजेडेंट डॉक्टर्स ने डीन ऑफिस पर धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने जल्द पानी उपलब्ध कराने की मांग की। डॉक्टरों का कहना है कि पानी नहीं होने से मरीज, परिजन सहित पूरे स्टाफ की परेशानियां बढ़ती जा रही है। पीने का पानी तो उपलब्ध है लेकिन वॉश बेसिक, वॉश रूम यहां पर्याप्त में पानी उपलब्ध नहीं होता। इससे ऑपरेशन सहित अन्य कामों में भी परेशानी होती है। इससे गंदगी फैल रही है जिससे इन्फेक्शन का खतरा है। डीन डॉ. संजय दीक्षित ने बताया कि अस्पताल परिसर में चार बोरिंग है जो सूख गए हैं। इसके चलते टैंकरों से पानी सप्लाय किया जा रहा था। डॉक्टरों से समस्या जानकर आज से ही टैंकरों की संख्या बढ़ा दी गई है।

पेड़ों को बचाने सड़क पर उतरे लोग

हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर राजवाड़ा से रीगल तक निकाला पैदल मार्च

इंदौर (नप्र)। पेड़ों को बचाने जनहित पार्टी के आह्वान पर सोमवार सुबह पैदल मार्च राजवाड़ा से रीगल तिराहे तक निकाला गया। इसके बाद संभागायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। बता दें जनहित पार्टी द्वारा एमओजी लाइन और हुकुमचंद मिल के हजारों हरे भरे पेड़ विकास के नाम पर काटने के विरोध में पिछले 20 दिनों से जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। जिसे जनता द्वारा हस्ताक्षार करके समर्थन मिल रहा है। अभी तक के कार्यक्रम में एमओजी लाइन के कटने वाले पेड़ो की नंबरिंग करके उनका पंचनामा बनाया गया। 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पेड़ काटने का विरोध दर्ज कराने राजवाड़े पर शहर के जागरूक नागरिकों द्वारा मानव श्रृंखला बनाई गई जिसमें पेड़ों के महत्व वाले बैनर और तख्ती लेकर नागरिक खड़े रहे। इसी क्रम में सोमवार सुबह 9 बजे शहर के कई गणमान्य नागरिक बच्चों और परिवार सहित राजवाड़ा पर एकत्रित हुए और उसके बाद हाथ में पेड़ों को बचाने और उसके महत्व वाली तख्तियां और बैनर लेकर रीगल तक पैदल मार्च के रूप में गए। उसके बाद 11 बजे संभागायुक्त कार्यालय पर जाकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन के साथ इन्दौर के 6127 नागरिकों ने मागों के समर्थन में अपने हस्ताक्षर किए

ये है मांग

- एमओजी लाइन और सभी कपड़ा मिलों सहित ऐसे सभी क्षेत्र संरक्षित वन के रूप में घोषित हो जहां किसी भी प्रकार का कंक्रीट का निर्माण न हो और वह सिटी फॉरेस्ट के रूप में डेवलप किया जाए।
- अभी तक जितने भी पेड़ एमओजी लाइन में बिना नंबरिंग डालें काटे गए हैं, उन सभी लोगों पर सख्त दंडात्मक कार्यवाही की जाए।
- इंदौर शहर के सभी पेड़ों का एक सर्वे किया जाए वार्ड अनुसार और उनकी सूची प्रतिवर्ष जारी की जाए।
- इंदौर शहर में कोई भी बड़ा पेड़ विकास के नाम पर ना काटा जाए, बहुत आवश्यकता हो तो उन पेड़ों को योग्य एजेंसी के द्वारा उचित स्थान पर ट्रांसप्लांट किया जाए।

इंदौर में 15 की दुल्हन, 27 का दूल्हा, बेरंग लौटी बारात

इंस्टाग्राम पर दोस्ती, परिवारवाले छुपकर करा रहे थे दोनों की शादी

इन्दौर (नप्र)। इंदौर में बाल विवाह रुकवाने मामला सामने आया है। इंस्टाग्राम के माध्यम से दूल्हा-दुल्हन की दोस्ती हुई थी। आपस में बातचीत के दौरान दोनों शादी के लिए तैयार हो गए। उन्होंने शादी नहीं करने पर घर से भागने की बात कही। परिजनों का कहना है कि वे ऐसा न करें इसलिए हम मजबूरन शादी करने को तैयार हो गए। विवाह करने आए पंडित राजू मिश्रा ने कहा कि उन्हें जानकारी नहीं थी इसलिए वे शादी कराने चले आए। बता दें कि दूल्हा तो 27 साल का था लेकिन दुल्हन केवल 15 साल की थी। इसी कारण यह विवाह रुकवाया गया है।विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रामनिवास बुधौलिया ने बताया कि रविवार को एमआईजी थाना क्षेत्र अंतर्गत कृष्ण बाग कॉलोनी में एक नाबालिग बेटी का विवाह होने की ऑनलाइन सूचना मिली थी। शिकायत में कहा गया था कि नाबालिग बेटी का विवाह उसके घर पर ही किया जा रहा है बरात पहुंच गई है और फेरों की तैयारी कर ली गई है। सूचना मिलती मामले की जांच करने के लिए लाडो अभियान कोर ग्रुप के महेंद्र पाठक ने बाल संरक्षण अधिकारी भगवान दास साहू, कोर ग्रुप सदस्य देवेंद्र कुमार पाठक, थाना एमआईजी के प्रधान आरक्षक शिव कुमार यादव व पुलिस बल के साथ मौके पर जाकर पूछताछ की।अचानक पहुंचे दल ने दोनों पक्षों से चर्चा की तो दूल्हे की मौसी ने पहले तो गुमराह करने का प्रयास करते हुए कहा कि इन लोगों में सगाई की रस्म इसी तरह से मंडप सजाकर की जाती है। परिजनों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के अनुसार बालिका की उम्र 15 वर्ष निकली। वहीं गुजरात से आए दूल्हे की उम्र लगभग दोगुना 27 साल निकली। पाठक ने जब उनसे सख्ती से बातचीत की तो उन्होंने विवाह होने के बाद स्वीकार की। दस्ता प्रभारी बैठक में परिजनों को समझाया तब युवती ने कहा कि वह अपनी मर्जी से शादी कर रही है।

इंदौर में देर रात थाने का निरीक्षण करने पहुंचे डीसीपी

इंदौर(नप्र)। इंदौर के जोन के डीसीपी अचानक देर रात थाने का निरीक्षण करने जा पहुंचे। यहां उन्होंने रात में स्टाफ को मुस्तैद रहने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि यह शहरी सीमा का थाना है, यहां अलर्ट रहना जरूरी है। डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा देर रात कनाड़िया थाने पहुंचे। यहां देर रात 1 बजे उन्होंने मालखाने में रखे सामान का जायजा लिया। उसे व्यवस्थित रखने की हिदायत दी। इसके बाद उन्होंने हथियारों की स्ट्रिपिंग और असेम्बलिंग प्रकिया को देखा। उनका सही तरीके से पालन करने की पुष्टी की। हवालात में बंदियों को रखने की स्थिति और संतरी को मुस्तैदी से चाक चौबंद रहने की बात कही। सबसे आखिर में उन्होंने रजिस्टर की जांच की। वहीं अपराध की डायरियों का निरीक्षण किया। उनके साथ रात में एडिशनल डीसीपी अमरेन्द्रसिंह भी मौजूद थे।

इंदौर राजवाड़ा में भारत की जीत का जश्न

इंदौर (नप्र)। इंदौर के राजवाड़ा में रविवार देर रात दिवाली जैसा जश्न मना। टी-20 वर्ल्ड कप के मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को करारी मात दी। जैसे ही भारत की जीत करीब आई, वैसे ही इंदौर के हर कोने से युवा हाथों में तिरंगा लेकर राजवाड़ा की ओर जाते नजर आए। यहां युवाओं ने जमकर आतिशबाजी की और हाथ में तिरंगा लेकर ढोलक पर डांस भी किया। राजवाड़ा क्षेत्र भारत माता की जय से गूंज उठा। पाकिस्तान की हार और भारत की जीत होने पर राजवाड़ा पर जीत का जश्न मनाने का इंदौरी अंदाज आज भी कायम है। चाहे फिर वह कोई भी स्थिति हो। शनिवार को विश्व कप में पाकिस्तान पर भारत की जीत होने पर शहर में चारों ओर तिरंगे लहराते नजर आए तो राजवाड़ा पर हजारों की संख्या में क्रिकेट प्रेमी पहुंचे। हाथों में तिरंगा और जुबान पर भारत माता की जय के नारों के साथ पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया। राजवाड़ा पर जमकर आतिशबाजी की गई।

मुंबई-इंदौर फ्लाइट खराब मौसम के कारण डगमगाई

यात्री बोले– सब डरे हुए थे ; स्टाफ ने न दिलासा दिया, न अनाउंसमेंट किया

इंदौर (नप्र)। मुंबई से रविवार रात इंदौर आई इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट के यात्रियों को सिंगापुर एयरलाइंस के विमान जैसा एयर टर्बुलेंस का डरावना अनुभव हुआ। खराब मौसम के कारण कई बार विमान डगमागाता महसूस हुआ, इससे यात्री बुरी तरह घबरा गए। शुरुआती 15-20 मिनट लोगों के बहुत खराब गुजरे। जैसे-तैसे विमान ने 11.45 बजे इंदौर लैंड किया तो लोगों ने राहत की सांस ली। विमान से उतरे दीपक जेठा ने बताया महिलाओं ने बच्चों को सुलाना शुरू कर दिया था। फ्लाइट के उड़ान भरते ही सभी यात्रियों के चेहरों पर डर साफ झलक रहा था। एक-एक पल मुश्किल भरा था। ऐसा लग रहा था मानो विमान डगमगा रहा हो। पूरे विमान में खामोशी छाई हुई थी। जिस तरह से विमान उड़ान भर रहा था, उससे साफ महसूस हो रहा था कि बाहर मौसम बहुत खराब है। दीपक ने बताया, इसके बाद भी विमान में न तो किसी तरह का कोई अनाउंसमेंट हुआ और न ही किसी ने हालात सामान्य करने के प्रयास किए। यात्री इतना घबराए हुए थे कि वे एक-दूसरे से बात तक नहीं कर पा रहे थे। यात्रियों ने साथ आए छोटे बच्चों को जैसे-तैसे सुलाया। सब चिंता में सीट बेल्ट बांधे बैठे रहे। एक घंटे के सफर के बाद जब इंदौर नजदीक आया तो थोड़ी स्थिति ठीक हुई। यह सफर जिंदगीभर नहीं भूल पाएंगे।

इंडिगो की फ्लाइट कैंसिल, 14 यात्री हज जाने से चूके

इंडिगो एयर लाइंस की फ्लाइट (6ई-2208/2019) रात 9.55 बजे दिल्ली से इंदौर आकर 10.40 बजे वापस दिल्ली जाती है। लेकिन कल कंपनी ने इस फ्लाइट को निरस्त कर दिया। कंपनी ने एयरपोर्ट प्रबंधन को बताया कि ऑपरेशनल कारणों से उड़ान को निरस्त किया गया है, जिसकी सूचना यात्रियों को दे दी गई थी। हालांकि 14 ऐसे यात्री थे, जिन्होंने एजेंट के जरिए बुकिंग कराई थी उनके पास जानकारी नहीं पहुंच पाई और वे एयरपोर्ट पहुंचकर परेशान होते रहे। घटना शुक्रवार की है। वैकल्पिक फ्लाइट के लिए अधिकारियों ने कहा कि वे रात 11.05 बजे मुंबई जाने वाली उड़ान से उन्हें मुंबई भेजेंगे और वहां से उन्हें दिल्ली भेज दिया जाएगा। साथ ही सऊदी एयर लाइंस की फ्लाइट में बैठाने के लिए भी पूरा प्रबंध किया जाएगा। लेकिन यह उड़ान भी रात 11.50 बजे रवाना हुई और देरी से पहुंची। इसके कारण यात्री सुबह समय पर दिल्ली नहीं पहुंच पाए। दिल्ली में इंडिगो ने भी कोई मदद नहीं की।

मुंबई में टेक ऑफ कर रहे प्लेन के ठीक पीछे उतरा इंदौर से गया दूसरा विमान

मुंबई के छत्रपति शिवाजी एयरपोर्ट पर दो जहाज टकराने से बाल-बाल बच गए। दोनों विमानों में कुल 300 यात्री थे। घटना शनिवार सुबह एयर इंडिया की फ्लाइट 657 के साथ हुई। विमान के टेक ऑफ होते ही इसी रनवे पर पीछे से इंदौर से आए इंडिगो के विमान की लैंडिंग होने लगी। इंडिगो ने एटीसी से अनुमति की बात कही है। हालांकि, इस पर एक्शन लेते हुए डीजीसीए ने एटीसी अफसर को ड्यूटी से हटा दिया है।

कैफे में बुलाकर किया रेप

मकान मालिक ने नहाने का वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया

इंदौर (नप्र)। इंदौर के मल्हारगंज में एक शादीशुदा महिला की शिकायत पर उसके मकान मालिक के खिलाफ रेप और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के मामले में केस दर्ज किया है। आरोपी ने कैफे में मिलने के बहाने बुलाया और रेप किया। इसके बाद उसने कई बार ब्लैकमेल कर संबंध बनाए। परेशान होकर उसने पति को पूरा घटनाक्रम बताया। इसके बाद उसने पति के साथ थाने जाकर केस दर्ज कराया। मल्हारगंज पुलिस ने 26 साल की एक शादीशुदा महिला की शिकायत पर सतीश के खिलाफ रेप और ब्लैकमेंलिग का केस दर्ज किया है।

पीड़िता के मुताबिक आरोपी उसका मकान मालिक है। पीड़िता ने बताया कि वह 8 साल से सतीश के मकान में रह रही है। मकान मालिक

घूरकर देखता था। लेकिन कभी पति या अन्य किसी से उसकी हरकत को लेकर जानकारी नहीं दी। कुछ दिन पहले सतीश ने बाथ रूम में नहाते समय अश्लील वीडियो बना लिया। उसने एक दिन मोबाइल पर कॉल किया और कहा कि कुछ बात करनी है। मिलने आ जाओ। इनकार करने पर कहने लगा कि उसका अश्लील वीडियो वायरल कर देगा। पीड़िता ने बताया कि बार-बार कॉल करने से वह डर कर 1 अप्रैल 2024 को बड़े गणपति के सेल्फी कैफे के पास मिलने पहुंची। यहां कैफे में सतीश उसे ऊपर ले गया। यहां तेज आवाज में म्यूजिक बज रहा था।

सतीश ने पीड़िता को उसका एक वीडियो दिखाया और कहा कि इसे वायरल कर देगा। इसके बाद कहने लगा कि जैसा कहता हूं। वैसा करो। इसके बाद सतीश ने जबरदस्ती की। रेप करने के बाद उसने फिर से कहा कि यहां का एक और वीडियो बनाया है। अगर आगे से बुलाने पर नहीं आई तो उसे भी वायरल कर देगा। पति जब घर नहीं होते तो सतीश रूम में आने लगा। जबरदस्ती की कोशिश करता। बदनामी के डर से किसी को यह बात नहीं बताई। कुछ दिन पहले मन काफी दुखी था तो पति को पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने हिम्मत कर पुलिस के पास जाने की बात कही।

संपादकीय

मोदी सरकार– मप्र का कद बढ़ा

लोकसभा चुनाव में मध्यप्रदेश में भाजपा के क्लीन स्वीप के बाद सभी की निगाहें इस पर लगी थीं कि मोदी 3.0 में राज्य को कितना प्रतिनिधित्व मिलेगा? भाजपा के बहुमत से दूर रह जाने के कारण पीएम मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा के बजाए एनडीए की सरकार बनना तय था। राजनीतिक तकाजों, जातीय समीकरण और क्षेत्रीय संतुलन के चलते यह सवाल सियासी फिजाओं में आम था कि मोदी मप्र को इस बार अपेक्षित महत्व देंगे या नहीं? वर्तमान में विदिशा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को केन्द्रीय मंत्रिमंडल में लिया जाता है या नहीं? लिया गया तो उनका कद क्या होगा? उन्हें कौन सा विभाग मिलेगा? इनमे से अधिकांश सवालों के जवाब अब मिल गए हैं। रविवार को राष्ट्रपति भवन में जब 71 सदस्यीय मंत्रिमंडल ने शपथ ली तो उनमें पांच नाम मप्र के थे। हालांकि राज्यवार प्रतिनिधित्व को देखें को हमेशा की तरह यूपी को सर्वाधिक प्रतिनिधित्व मिला है, लेकिन मप्र में भाजपा की बंपर सफलता को भी ध्यान में रखा गया है। मप्र से कुल पांच मंत्री बनाए गए हैं। इनमें शिवराजसिंह चौहान व ज्योतिरादित्य सिंधिया ओबीसी, डॉ. वीरेन्द्र कुमार खटीक दलित तथा श्रीमती सावित्री ठाकुर व दुर्गादास उइके आदिवासी वर्ग से हैं। इनमें भी सिंधिया व वीरेन्द्र कुमार केन्द्र में दूसरी बार शपथ ले रहे हैं। पांच में से तीन का सम्बन्ध नर्मदा पट्टी से है। इस मंत्रिमंडल में सामान्य वर्ग को छोड़ दिया जाए तो सभी जातिगत समीकरणों को साधा गया है। खास बात यह है कि विपक्ष के तमाम प्रचार का असर मप्र के मतदाताओं पर नहीं हुआ। प्रदेश में ओबीसी, दलित व आदिवासी वोटर भाजपा के साथ पहले की तरह जुड़ा रहा। यही वजह रही कि कांग्रेस इस चुनाव में शून्य पर पहुंच गई। उसका परंपरागत गढ़ छिंदवाड़ा पर भी इस बार भगवा लहरा गया। भाजपा न सिर्फ सभी 29 सीटें जीती बल्कि उसका वोट प्रतिशत भी विधानसभा चुनाव की तुलना में करीब एक फीसदी बढ़ गया। इसका श्रेय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वी.डी.शर्मा के बीच सटीक तालमेल को भी जाता है। आदिवासियों के बीच अपनी पैठ को मजबूत करने के उद्देश्य से भाजपा ने मप्र से इस बार दो मंत्री बनाए हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह था कि प्रदेश के 18 साल तक सीएम रहे शिवराजसिंह चौहान को क्या जिम्मेदारी दी जाती है। मंत्रिमंडल शपथ ग्रहण से साफ हो गया कि शिवराज की मंत्रिमंडल में वरीयता 6 नंबर की है। उन्हें कोई बड़ा विभाग मिलने की पूरी संभावना है। दूसरा सवाल अभी अनुत्तरित है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वी.डी. शर्मा को क्या नया दायित्व मिलेगा। वी.डी. केन्द्र में मंत्री बनने के प्रबल दावेदार थे, लेकिन लगता है कि जातीय समीकरण के चलते उन्हे मोदी मंत्रिमंडल में नहीं लिया गया। ऐसे में मप्र विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भाजपा को शानदार तरीके से जिताने का उन्हें क्या पुरस्कार मिलता है, यह देखने की बात है। इन चुनाव नतीजों से मप्र में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की कुर्सी भी पक्की हो गई है। हालांकि यूपी व हरियाणा में यादव वोटोंमें सेंध लगाने के जिस उद्देश्य से उन्हें सीएम बनाया गया था, वह पूरा नहीं हुआ। फिर भी वो मप्र में अब ज्यादा आजादी से राज कर सकेंगे। अब उन्हें रिजल्ट देना होगा और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह से हटकर अपनी अलग छवि तैयार करनी होगी। अगर संख्या के हिसाब से देखें तो मोदी मंत्रिमंडल में मप्र को 6 जगह मिली हैं। क्योंकि तमिलनाडु से आने वाले डा. मुरूगन भी राज्यसभा में मप्र कोटे से ही हैं। देखना यह है कि केन्द्रीय मंत्रिमंडल में मप्र का यह प्रभावी प्रतिनिधित्व राज्य के तेजी से विकास में कितना सहायक होता है?

नजरिया

चेतनादित्य आलोक

वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार एवं राजनीतिक विश्लेषक

चुनावी नतीजों का संदेश, सुनें सबकी करें जन की

ऐसा प्रतीत होता है कि जनता के बीच विपक्षी दलों की ओर से दिखाया गया रोजगार का सपना मोदी के राशन की तुलना में अधिक कारगर साबित हुआ। इसीलिए लोगों ने विकल्प के रूप में अन्य दलों को अपना मत दान कर दिया। वैसे भी यह एक मनोवैज्ञानिक सत्य है कि जब किसी को कोई वस्तु पहली बार मुफ्त में दिया जाता है तो वह उपहार होता है, लेकिन यदि उपहार स्वरूप वही वस्तु किसी व्यक्ति को बार-बार और लगातार दिया जाता रहे तो आगे चलकर एक दिन मुफ्त में दिया जाने वाला वह वस्तु भी उपहार न होकर उस व्यक्ति का अधिकार बन जाता है। तात्पर्य यह कि पीएम मोदी ने जो अब तक गरीबों को पांच किलो मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, उसे जनता ने अपना अधिकार मान लिया और ऐसा मान लेने के बाद मतदाताओं के भीतर और अधिक पाने की उम्मीद जागी। ऐसे में राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी द्वारा की गई आर्थिक न्याय की संकल्पना को उसने हाथों-हाथ लिया, जिसके अंतर्गत राहुल गांधी बेरोजगारों और गरीब महिलाओं के खातों में 'टकाटक' 8500 रुपए पहुंचाने और गरीबी मिटाने की बात करते टीवी पर देखे गए थे। यह अलग बात है कि ऐसे किसी 'टकाटक' से गरीबी समाप्त नहीं हो सकती।

लगभग छह सप्ताह तक चलने वाले दुनिया के इस सबसे बड़े और ऐतिहासिक चुनाव में करीब 97 करोड़ मतदाताओं और हजारों राजनीतिक दलों ने भाग लिया। निश्चित रूप से यह कार्य बेहद कठिन था- चुनाव आयोग के लिए ही नहीं, बल्कि मतदाताओं और राजनीतिक दलों के लिए भी। भीषण गर्मी और लू के बीच संपन्न हुए लोकसभा 2024 के नतीजे आने के बाद भारत का राजनीतिक परिदृश्य बिल्कुल साफहो गया है, जिस प्रकार बारीश के बाद आसमान साफहो जाता है। तो अब कहीं कोई उलझन या धूंध नहीं है... सब कुछ बिल्कुल साफ-साफदिखाई देने लगा है। हालांकि सियासी सूरमा और राजनीतिक पंडित अब भी इसे मान लेंगे, ऐसा प्रतीत नहीं होता, क्योंकि उनके लिए तो यही अच्छा होता है कि राजनीति का तापमान हमेशा चढ़ा रहे और उमस भी बनी रहे। बहरहाल, इस चुनाव के नतीजे अप्रत्याशित तो रहे, किंतु यह भी सच है कि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इनमें सभी दलों और नेताओं के लिए कुछ-न-कुछ सबक और संदेश निहित है। इस चुनाव के नतीजों का सबसे पहला और महत्वपूर्ण संदेश भारतीय जनता पार्टी के लिए है और वह यह कि राजनीति में कुछ भी स्थाई नहीं होता- न बहुमत, न विजय, न राज, न सफ्लता, न साथ, न मित्रता, न समर्थन और न ही गठबंधन। दूसरे शब्दों में कहें तो राजनीति में प्रायः सब कुछ परिस्थिति और समय सापेक्ष होता है।

यही कारण है कि परिस्थितियों और समय के साथ-साथ राजनीति का स्वरूप भी बदलता रहता है। देखा जाए तो पिछले लोकसभा चुनाव के 37.3 प्रतिशत मत की तुलना में इस बार भाजपा के कुल मत प्रतिशत में लगभग एक प्रतिशत से भी ज्यादा की गिरावट आना तथा 2019 के मुकाबले इस बार भाजपा को लगभग 60 सीटों तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 55 से भी अधिक सीटों का नुकसान होना इस बात को प्रमाणित करता है। इसके अतिरिक्त 18वीं लोकसभा के चुनाव में कुल 99 सीटें जीतने वाली कांग्रेस पार्टी को पिछली बार के 19.5 प्रतिशत मतों की तुलना में इस बार 21.2 प्रतिशत वोट मिलना भी इसी बात का परिचायक है। जरा इस चुनाव का गणित तो देखिए कि कांग्रेस को मिले कुल मतों में हुई वृद्धि दो प्रतिशत भी नहीं है, जबकि उसकी सीटों की संख्या में इस बार दोगुनी वृद्धि हो चुकी है। इन नतीजों की दूसरी सीख यह है कि भाजपा को केवल प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे और चारित्रिक करिश्में एवं गरीबों के लिए पांच किलो मुफ्त राशन तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के भरोसे न रहकर उसे राजनीतिक दांव-पेंचों के निहितार्थों को भी समझना चाहिए। देखा जाए तो उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में 'राशन नहीं रोजगार' का गूंजता नारा इसी बात को प्रमाणित करता है।

ऐसा प्रतीत होता है कि जनता के बीच विपक्षी दलों की ओर से दिखाया गया रोजगार का सपना मोदी के राशन की तुलना में अधिक कारगर साबित हुआ। इसीलिए लोगों ने विकल्प के रूप में अन्य दलों को अपना मत दान कर दिया। वैसे भी यह एक मनोवैज्ञानिक सत्य है कि जब किसी को कोई वस्तु पहली बार मुफ्त में दिया जाता है तो वह उपहार होता है, लेकिन यदि उपहार स्वरूप वही वस्तु किसी व्यक्ति को बार-बार और लगातार दिया जाता रहे तो आगे चलकर एक दिन मुफ्त में दिया जाने वाला वह वस्तु भी उपहार न होकर उस व्यक्ति का अधिकार बन जाता है। तात्पर्य यह कि पीएम मोदी ने जो अब तक गरीबों को पांच किलो मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, उसे जनता ने अपना अधिकार मान लिया और ऐसा मान लेने के बाद मतदाताओं के भीतर और अधिक पाने की उम्मीद जागी। ऐसे में राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी द्वारा की गई आर्थिक न्याय की संकल्पना को उसने हाथों-हाथ लिया, जिसके अंतर्गत राहुल गांधी बेरोजगारों और गरीब महिलाओं के खातों में 'टकाटक' 8500 रुपए पहुंचाने और गरीबी मिटाने की बात करते टीवी पर देखे गए थे। यह अलग बात है कि ऐसे किसी 'टकाटक' से गरीबी समाप्त नहीं हो सकती।

हां, इसके द्वारा सिर्फनेताओं की राजनीतिक गरीबी दूर की जा सकती है, जैसा कि पांचवें चरण में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने सात और कांग्रेस ने तीन सीटें जीतकर कीं, जबकि भाजपा को महज चार सीटों से ही संतोष करना पड़ा। जाहिर है कि अब गरीब और मजबूर 'लाभार्थी' का गुस्सा केवल पांच किलो मुफ्त राशन से शांत नहीं होने वाला... उसे और भी बहुत कुछ चाहिए। देखा जाए तो यह 'रेवड़ी कल्चर' का दुष्परिणाम है, जो आज भाजपा भुगत रही है और आज नहीं तो कल इसके दुष्परिणाम अन्य दलों को भी भुगतने ही पड़ेंगे। वैसे सियासी सूरमाओं और राजनीतिक पंडितों का इस हार के बाद सीधे-साधे यह कह देना कि देश के राजनीतिक अखाड़े से 'मोदी मैजिक' अब खत्म हो चुका है... जनता के बीच में 'मोदी का करिश्मा' अब नहीं चल पा रहा है... और मोदी के भाषणों में अब वो दम नहीं रहा... सच नहीं है, क्योंकि यदि ऐसा होता तो ओड़िशा, दक्षिण भारत के राज्यों एवं मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ जैसे मध्य भारत के प्रमुख राज्यों में मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा ने जिस प्रकार से अपना दबदबा कायम रखा है, वह कदापि संभव नहीं हो पाता। हां, यह कहा जा सकता है कि जनता के बीच में 'मोदी फैक्टर' थोड़ा कम हुआ है, लेकिन इसके बावजूद अकेले भाजपा द्वारा देश भर में समूचे आइएनडीआइए गठबंधन से भी अधिक सीटें प्राप्त करना इस बात का संकेत है कि अब भी पीएम मोदी के प्रति देश के मतदाताओं के बीच में घना और मजबूत आकर्षण कायम है।

इन नतीजों का तीसरा संदेश यह है कि राजनीति में अति-आत्मविश्वास नहीं रखना चाहिए। दरअसल, आत्मविश्वास और अहंकार के बीच में एक बेहद बारीक रेखा होती है, जो कभी भी संकट में डाल सकती है, क्योंकि कई बार ऐसा होता है कि आत्मविश्वास ही अहंकार और अहंकार ही आत्मविश्वास प्रतीत होने लगता है। वहीं, कई बार राजनीतिक पार्टियां भी अपनी राजनीतिक सहूलियतों के हिसाब से जनता के बीच आत्मविश्वास को अहंकार और अहंकार को आत्मविश्वास बताने और उसे साबित करने की बवायद करती रहती हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा की ओर से मतदाताओं को यह बताया जाना कि वे 'अबकी बार 400 पार' के साथ वापस आ रहे हैं, भले ही उनका अति-आत्मविश्वास रहा हो, विपक्ष ने इस नारे का उपयोग पिछड़ी जातियों, विशेषकर दलितों को यह समझाने में कर लिया कि 'अबकी बार 400 पार' के सहारे संविधान को बदलने का प्रयास किया जा रहा है और इसके द्वारा उनका आरक्षण समाप्त किया जा सकता है। भाजपा को बदनाम करने का विपक्ष का यह अभियान भले ही झूठे नैरेटिव पर आधारित हो, किंतु पीएम मोदी और भाजपा पूरे चुनाव के दौरान इसकी कोई काट नहीं ढूढ पाए। जाहिर है कि इस नैरेटिव से ऊपजी जनता की नाराजगी भाजपा के लिए बेहद घातक साबित हुई।

इन नतीजों का चौथा और सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि पीएम मोदी सुनें सबकी और करें जन की। गौरतलब है कि इस चुनाव का एक बहुत बड़ा फैक्टर भाजपा का अपने ही परिवार में संवादहीनता का होना भी रहा है। ऐसा माना जाता है कि आपसी खटपट के कारण इस बार चुनाव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी कोई भूमिका नहीं निभाई। यही नहीं, अति आत्मविश्वास से लवरेज भाजपा ने राज्यों में अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व की भी परवा नहीं की। लोकसभा चुनाव के टिकट पुरानी परंपराओं को दरकिनार कर मनमाने ढंग से बांटे गए। यहां तक कि जिला स्तर पर भाजपा में प्रतिनियुक्त किए गए आरएसएस प्रचारकों की भी कोई राय नहीं ली गई। दरअसल, पार्टी और संघ के बीच की इस खटपट का प्रमुख कारण प्रचंड बहुमत प्राप्त करने के लिए 'पार्टी विद ए डिफ्रेंस' वाली भाजपा की छवि से समझौता किया जाना है। बताया जाता है कि पार्टी में दूसरे दलों के दागी नेताओं के लिए खुले दरवाजे की नीति और वफादार नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की अनदेखी से आरएसएस नेतृत्व दुःखी और चिंतित है। पार्टी और संघ के बीच की इस खटपट का प्रमाण बीच चुनाव भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का वह बयान भी है जिसमें उन्होंने कहा था कि पार्टी को शुरूआती दौर में आरएसएस की जरूरत थी। अब जबकि पार्टी बड़ी हो गई है, तब भाजपा अपने दम पर चल सकती है। लोकसभा चुनाव के नतीजे बताते हैं कि अब पीएम मोदी को अपनी गलती सुधार कर भाजपा एवं संघ के बीच की खटपट को दूर करते हुए स्वस्थ संवाद की परंपरा फिर से स्थापित करनी चाहिए। यही समय और परिस्थितियों की मांग भी है।

(इतिश्री)

आम चुनाव 24

डॉ. ललित कुमार

लेखक इनवर्टिस यूनिवर्सिटी, बरेली में पत्रकारिता के सहायक प्रोफेसर हैं।

चंद्रशेखर आजाद-नगीना के रण में अकेले ही डटा रहा

यूपी की दलित राजनीति जो पिछले डेढ़ दशक से ढलान पर थी। चंद्रशेखर आजाद ने नगीना लोकसभा सीट पर डेढ़ लाख मतों से जीत हासिल करके दलित राजनीति को एक बार फिर से पटरी पर ला खड़ा किया है। वह बहुजन समाज जो हाशिए पर जा चुका था, उसमें फिर से एक उम्मीद की किरण जगी हैं। बहुजन समाज में जहां बसपा को लेकर भारी असंतोष के स्वर उठने लगे थे। उसी बहुजन समाज को अब एक लंबे अरसे के बाद एक ऐसा दलित नेता मिला गया है जो संसद में उनके हक और अधिकार की आवाज को मजबूती के साथ रखने का काम करेगा। इसमें कोई दोराय नहीं है कि भीम आर्मी चीफ एवं आजाद समाज पार्टी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद लगभग एक दशक से बहुजन समाज के बीच जाकर उनकी आवाज को सत्ता तक पहुंचाने का काम कर रहे है और ज़रूरत पड़ने पर सत्ता से आंख में आंख डालकर बात भी करते है। इसलिए चन्द्रशेखर आजाद की लोकप्रियता बहुजन समाज में एकाएक बढ़ने लगी है।

18वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम आने के बाद जो चौकाने वाले नतीजे निकलकर सामने आए हैं। देश की जनता ने जुमलेबाजी को दरकिनार करके वर्तमान राजनीति को निरंकुश होने से बचा लिया है। 400 पार बीजेपी के नारे की हवा निकलती देख जनता ने इस बार संविधान को बचाने के लिए वोट किया है। इंडिया गठबंधन जनता के साथ कदम ताल बनाकर यूपी में भाजपा के विजय रथ को रोकने में काफी हद तक सफल रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की नगीना लोकसभा सीट से इस बार दलित समाज ने एक ऐसे नग दिया है, जो बहुजन समाज की आवाज़ को संसद में बुलंद करेगा।

चंद्रशेखर आजाद ने जो रिकॉर्ड बनाया, उसने सत्ता एवं विपक्षी खेमे में भी बेचैनी बढ़ा दी है। चंद्रशेखर आजाद नगीना लोकसभा सीट पर पिछले एक साल से जनता के साथ संपर्क में रहकर काम कर रहे थे। चंद्रशेखर चुनावी सभाओं में बीजेपी सरकार की नीतियों और दलित समाज पर बढ़ते अत्याचार के प्रति जनता को समझने में काफी हद तक कामयाब हुए हैं। उन्होंने भाजपा को करारी शिकस्त देकर यूपी में अपनी राजनीति को एक नई धार देने की कोशिश की है। चंद्रशेखर आजाद लगातार भाजपा सरकार के खिलाफ हमेशा बोलते रहे हैं। बीजेपी सरकार के कई बड़े मंत्रियों में जहां नगीना सीट पर अपनी पार्टी के लिए खूब प्रचार किया, तो वहीं बसपा कॉरिडीनेटर आकाश आनंद ने भी एक रैली के दौरान चंद्रशेखर पर कई बड़े आरोप लगाते हुए कहा था कि यहां कोई आजाद चुनाव लड़ रहा है, जो समाज के युवाओं को गुमराह करके उन पर झूठे मुकदमे कराकर गायब हो जाता है। लेकिन आकाश आनंद को चंद्रशेखर आजाद की लोकप्रियता का शायद अंदाजा नहीं है कि वह शख्स है जो कितनी बार यातनाएं और तमाम चुनौतियों को पार करते हुए चुनाव लड़ रहा है। जिसके सिर पर कोई न कोई हाथ था और न राजनीति का कोई गॉडफादर। वह अकेले इस कारवां में एक मील का पत्थर साबित हुआ है।

बहुजन समाज के बीच चंद्रशेखर की लोकप्रियता ऐसे ही नही बनी है, उसने समाज के बीच अपने को केंद्र में रखकर जिस तरह से खुद को सींचा है. वह कोई एक दिन का खेल नही है। इस जीत तक पहुँचने के लिए उसने दिन रात कड़ी मेहनत की हैं। जेल की सलाखों के पीछे रहकर जो यातनाएं चंद्रशेखर ने इस दौर में झेली है। शायद ही कोई दलित नेता ऐसे हालात में जी पाता। चंद्रशेखर आजाद को कुछ लोगों ने यहां तक कहना शुरू कर दिया था। इस लड़के की राजनीति अब खत्म हो सकती है। यानी चंद्रशेखर आजाद की राजनीति को जितनी बार कुचलने की कोशिश की गई। आजाद ने समाज के बीच रहकर उतनी ही तेजी से उभरकर देश की राजनीति में अपनी दस्तक दी है।

बसपा संस्थापक कांशीराम साहब ने भी अपने शुरुआती दौर की राजनीति में बहुत सी चुनौतियों का सामना किया। उनका भी राजनीति में कोई गॉडफादर नहीं था, लेकिन उन्होंने भी समाज को जोड़ने के लिए दिन-रात मेहनत की थी। शुरुआती दौर में बसपा को भी कई हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन धीरे-धीरे कांशीराम देश की राजनीति में ऐसे छाए कि वह विरोधी दलों के लिए परेशानी का शबब बनने लगे थे। इसलिए वह बसपा को एक राष्ट्रीय पहचान दिलाकर देश की राजनीति में कूद पड़े थे। जिस वजह से पुरे देश के बहुजन समाज में जागरूकता का उद्भव हुआ और फिर उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। बसपा का वास्तव में राष्ट्रीय पहचान तब मिली जब मायावती ने वर्ष 1989 में बिजनौर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा और पहली बार मायावती सांसद बनी। इससे पहले 1984 में मायावती इसी सीट से कांग्रेस की मीरा कुमार से बुरी तरह हार गयी थी।

नगीना लोकसभा सीट जीतकर आजाद समाज पार्टी ने बसपा की राजनीति पर भी कई प्रश्न खड़े कर दिए है। तमाम संसाधन होने के बावजूद भी बसपा अपनी जीती हुई सभी दस सीटों में से एक भी सीट नही जीत पाई। वर्ष 1989 के अपने चुनावी शुरुआत के बाद से यह बसपा का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। पार्टी को केवल 2.07 प्रतिशत वोट शेयर ही मिले है। बीएसपी ने उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों पर 424 उम्मीदवार उतारे और अकेले ही चुनाव लड़ने का फैसला किया। वर्ष 2009 में पार्टी ने 20 सीटों पर जीत हासिल करके सबको चौका दिया था। बसपा ने 1989 में पहला लोकसभा चुनाव लड़ा था। जिसमें पार्टी ने 245 सीटों पर उम्मीदवार खड़े करके मात्र तीन सीटों पर 2.07 प्रतिशत वोट शेयर के साथ जीत हासिल की थी। अब ऐसे में बसपा संगठन पर कई सवाल खड़े होने लगे है कि पार्टी का भविष्य क्या होगा? इस बार बसपा ने गठबंधन न करके अकेले चुनाव लड़ने का जो फैसला किया, उससे जनता को लगने लगा था कि कहीं बसपा भाजपा की बी टीम बनाकर काम तो नहीं कर रही है! इसलिए बहुजन समाज पार्टी का वोट बैंक गठबंधन की ओर खिसक गया और यूपी की जनता ने बसपा को नाकार दिया है। यही कारण रहा है कि जहां-जहां बीजेपी ने जीत हासिल की है। वहां दलित मतदाताओं ने गठबंधन को वोट न करके सीधे बीजेपी को फायदा पहुंचाया है। अगर बसपा गठबंधन के साथ रहकर चुनाव लड़ती तो हो सकता है कि बसपा की लाज बच जाती। लेकिन बीएसपी ने खुद अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया है।

वेस्ट यूपी की राजनीति में चंद्रशेखर आजाद ने अपनी जो चमक बिखेरी है, उससे दलित समाज में एक उम्मीद तो ज़रूर जगी है। चंद्रशेखर आजाद आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति का एक मजबूत चेहरा बनकर उभरेंगे। इसलिए बहुजन समाज अब बसपा को दरकिनार करके आजाद समाज पार्टी की तरफ शिफ्ट हो सकता है। चंद्रशेखर आजाद को भले इस चुनाव के किसी दल का साथ न मिला हो, लेकिन वह अपने दम पर समाज को एकजुट करने में कामयाब ज़रूर हुआ हैं। चंद्रशेखर आजाद ने हिम्मत नहीं हारी। नगीना के रण में यह शख्स अकेले ही डटकर खड़ा रहा। उसके चुनाव प्रचार में कोई बड़ा चेहरा नहीं था। जिनको यह लग रहा था कि आजाद समाज पार्टी बिना पब्लिक फेस के चुनाव नहीं जीत सकती। उसके बावजूद भी चंद्रशेखर आजाद ने उस मिथक को तोड़ने का काम किया है। नगीना में एक बार फिर से आजाद समाज पार्टी ने इतिहास रच दिया है। जिससे अब हर खेमे में चिंता बढ़ने लगी है। आजाद समाज पार्टी अब आने वाले समय में पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक मजबूत ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

संतुलन की राजनीति का नया दौर

तीसरे कार्यकाल की शपथ के साथ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सत्ता की सरपट चाल को काफी हद तक लगाम लग गई है। इसके चलते सहयोगियों को विश्वास में लेकर ही ज्वलंत मुद्दों के समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होगा। बीते 10 वर्षों के दौरान देशवासियों ने सत्ता के अप्रत्याशित फैसलों का दंश भी झेला है और अंतर्मन में असीम सुकून का अनुभव भी किया है। यदि निष्पक्ष और तटस्थ रूप से जनादेश की व्याख्या की जाए, तो कहीं से कहीं तक मोदी के प्रति अविश्वास की झलक नजर नहीं आती। हालांकि जनादेश द्वारा उन्हें बेकाबू होने से पक्के तौर पर रोक दिया गया है। इन तमाम मुद्दों को लेकर देश भर के राजनीतिक विश्लेषक प्राप्त जनादेश की अपने-अपने स्तर पर भरपूर व्याख्या कर चुके हैं।

वैसे जहां तक लोकतंत्र का सवाल है, मोदी के नेतृत्व में इसके अस्तित्व के प्रति आशंका का कहीं कोई कारण नजर नहीं आता था। लेकिन सत्ता, और केवल सत्ता के लिए जमघट लगाते तमाम विपक्षी दलों की महत्वाकांक्षाओं पर प्रभावी रोक लगाकर आम नागरिकों ने अपनी नागरिक अधिकारों के प्रति जागरूकता का प्रत्यक्ष परिचय दे दिया है। व्यक्तिगत रूप से मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से न केवल देशवासी अपितु विश्व समुदाय भी अत्यंत प्रभावित नजर आता रहा है। देश का नेतृत्व मोदी के हाथ में होना, न कवल देशवासियों के लिए ही प्रसन्नता का विषय हो सकता है अपितु अंतर्राष्ट्रीय शांति और सद्भाव की दिशा में भी उनकी वैश्विक पटल पर प्रभावी उपस्थिति का स्वागत ही किया जाएगा।

आज स्थिति यह है कि जितनी भाजपा को मोदी की जरूरत है, उससे कहीं ज्यादा देश को जरूरत है और उससे भी बहुत ज्यादा विश्व समुदाय को जरूरत है। ऐसी अवधारणा को अतिशयोक्तिपूर्ण करार नहीं दिया जा सकता। विपक्षी दल एकल और संयुक्त रूप से उन पर चाहे जितना दोषारोपण करें, लेकिन चंद अपवादों को छोड़कर किसी भी प्रकार का नीतिगत और व्यक्तिगत आरोप देशवासियों के गले नहीं उतरता। हालांकि दूसरे कार्यकाल के अंतिम दौर में कहीं-कहीं ऐसा प्रतीत हुआ जैसे कि वह विपक्ष को समूल नष्ट करना चाहते हैं, लेकिन लोकतंत्र में तो यह सहज स्वाभाविक राजनीतिक प्रक्रिया के रूप में लिया जाना चाहिए। निर्णायक कदम तो आम नागरिकों का ही होता है।

यह जरूर है कि मोदी के लिए उनके पहले व दूसरे कार्यकाल की तुलना में तीसरा कार्यकाल भारी अवरोधों से भरा होगा। दरअसल उनके नेतृत्व की असल परीक्षा का दौर तो अब आने वाला है। सहयोगी दलों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं इस दौरान कहां से कहां पहुंच जाए, इसका कोई निश्चित अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। बेशक सरकार बैसाखी पर चलने को विवश रहेगी, लेकिन यह भी सच है कि उनके हाथों से छिटक कर बैशाखियो का कोई अधिक मोल नहीं रह पाएगा। ऐसे में बहुत संभावना इस बात की है कि चंद विवादास्पद मुद्दों को छोड़कर अन्य विषयों पर मोदी अपनी नीति और चाहत के आधार पर काफी हद तक स्वतंत्र निर्णय ले सकेंगे, जो राष्ट्रीय हित से जुड़े होंगे।

इतना जरूर है कि चाहे उन्हें देश के आंतरिक मामलों में एकबारगी समझौते का सामना करना पड़े, लेकिन अंतरराष्ट्रीय पटल पर तो देश के मान-सम्मान और स्वाभिमान में निरंतर वृद्धि करते हुए निश्चिंत होकर राष्ट्र की स्थिति मजबूत बना सकेंगे। वैसे समझौते की राह चलना उनके आचरण और व्यवहार के विपरीत तो होगा लेकिन, जो शख्सियत विश्व की महाशक्तियों को झुका देने का राजनीतिक और कूटनीतिक सामर्थ्य रखती हो -उसके लिए सहयोगी दल को साधे रखना कौन बड़ी बात होगी !

दरअसल अपने तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी के समक्ष उनकी राजनीतिक काबिलियत की नई-नई कसौटियां सामने आएगी। उन्हें अपने मूल एजेंडे में भी काफी हद तक परिवर्तन करना होगा, जो कि शायद उनके स्वभाव में नहीं है। लेकिन उन्हें जानने वाले यह अच्छी तरह जानते हैं कि विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी और अधिक ताकतवर बनकर उभर कर आना, एक प्रकार से उनकी तासीर रही है। अन्य प्रतिस्पर्धी नेताओं की तुलना में उनका व्यक्तिगत कद कई गुणा बढ़ा है। जिसके चलते राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में देश का नेतृत्व उनके सशक्त हाथों में होना, स्वाभाविक रूप से आम नागरिकों के अंतर्मन में सुकून की अनुभूति कराने में सहायक होता है। देश-दुनिया जानती है कि उनका व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक जीवन संपूर्ण रूप से पारदर्शी रहा है। बहुत संभव है कि कहीं-कहीं वे भावावेश में बहक जाते हो, लेकिन उनके दिल में सशक्त राष्ट्र का सपना है - भला इस तथ्य से कौन इनकार कर सकता है ?

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

पूरन सरमा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

साहित्य सेवा प्रो. दिखावेलाल की

लम्बा सफेद झक चोला पहनकर साहित्यकार दिखावेलाल जी उपदेशों की पोटली चार आदमी दिखते ही खोल देते थे। उनकी नजर में सभी लोग मूर्ख और एक अकेले वे खुद ज्ञानवान और पण्डित थे। लिखते कम थे, बोलते ज्यादा थे। चेहरे पर बहुत ही करीने से कटी हुई दाढ़ी और लम्बे-लम्बे बाल। बाल नहीं इन्हें केश कहो तो ज्यादा अच्छा लगेगा। बहुत ही सोच-सोचकर बोलते और दूसरे को बोलने नहीं देते। यदि दूसरा बोले तो उसे देखकर ऐसे हँसते जैसे वह निरा मूर्ख हो। कोई भी कार्यक्रम हो हिन्दी के प्राध्यापक दिखावेलाल गम्भीर मुख-मुद्रा में वहाँ बैठे मिल जाते। उनकी पूरी कोशिश होती कि उन्हें उस कार्यक्रम की अध्यक्षता मिल जाए। कई चेले पाल रखे थे वे ही उनके लिए अध्यक्षता खोजते रहते थे। मैं भूल गया दिखावेलाल नहीं उन्हें प्रो. दिखावेलाल कहना ज्यादा मुनासिब है।

मेरी आदत है कि विद्वान् दिखाई देवे तो मैं उससे लिपट जाऊँ। लेकिन प्रो. दिखावेलाल को यह बात किसी भी दुष्टि से पसन्द नहीं थी। वे कहते-'दूर रहो मेरा कुर्ता गन्दा हो जायेगा और बोलो क्या चाहते हो ?'

मैं कहता-'प्रभु साहित्य को सेवा करते आपको तीस बरस बीत गये। आपकी कोई एक पुस्तक भी प्रकाशित नहीं हुई है। उम्र की इस ढ़लान पर आपकी कम-से-कम एक पुस्तक तो आनी चाहिए।'

प्रो. दिखावेलाल ने मेरी इस बात पर सामने के दाँत एक पल को दिखाए और दूसरे पल गम्भीर होकर बोले-'पुस्तक से क्या होता है। मैं साहित्य का बड़ा स्तम्भ हूँ। मुझे कौन मात दे सकता है। अध्यक्षता करता हूँ। विमोचन करता हूँ और पार्टियों में माल उड़ाता हूँ, आपको क्या करेशानी है। अपने हाल में मस्त रहो। मेरे मामले में ज्यादा मीनमेख निकालने की होशियारी मत करो। तुम तो जानते हो मेरे पास तरह-तरह के चेले हैं, जरा सा इशारा किया तुम चारों खाने चित मिलोगे।'

प्रो. दिखावेलाल की धमकी से एक पल को तो मैं डर गया, लेकिन बाद में सम्भलकर बोला-'चेलों के पीछे कूदते हो, साहित्य लिखने में जोर क्यों आता है। लिखने से ही आदमी बड़ा साहित्यकार बनता है। लम्बा कुर्ता पहनकर और दाढ़ी बढ़ाकर क्या सन्देश देना चाहते हो ? केवल मुँह से बोलने से साहित्य की श्रीवृद्धि नहीं होती है।'

मेरी बात सुनकर प्रो. दिखावेलाल लाल-पीले हो गये, आँखों से क्रोध की चिंगारियाँ निकलने लगीं।

डराने के सारे उपाय करने के बाद मुझसे बोले-'नादान की दोस्ती और जी का जंजाल। मुझसे बात करने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई ? अच्छे-अच्छे लोग मुझसे डरते हैं, मेरी इच्छा चाहूँ तो लिखूँ, नहीं चाहूँ तो नहीं लिखूँ। तुम कौन होते हो मुझे पुस्तक प्रकाशन की सलाह देने वाले ? मैं शोध कराता हूँ। पचास शोधार्थी मेरे अंडर में पी.एच.डी. करके जा चुके हैं। तुम मेरे ज्ञान को चुनौती देते हो। साहित्य मेरी और मेरे बाप की बपौती है। साहित्य की धारा मेरे कहने से ही बहती है। तुम बताओ तुमने क्या लिखा है।'

मैंने कहा-'मैंने बीस किताबें लिखी हैं और चार प्रकाशनाधीन हैं। इस तरह कुल चौबीस किताबें हो गई हैं। आपको तो अभी तक एक भी नहीं आई है। नाराज मत होवो। मेरी सलाह मानो तो कम-से-कम एक किताब छपा ही डालो।' प्रो. दिखावेलाल भभक उठे और बोले-'तुम क्या बेचते हो। जूठन चाटकर किताबें छपा ली और मुझे धमकाते हो। जब तुम्हारा जन्म भी नहीं हुआ था तब मैं निराला जी के दर्शन कर चुका था। यह बात तो उन्होंने भी मुझसे नहीं कही थी। तुमने यह कहकर मेरा अपमान किया है। या तो माफी माँगों, नहीं फिर मैं देख लूँगा।'

मैं प्रो. दिखावेलाल की मुखमुद्रा को देखकर डर गया। समझ नहीं आया कि क्या करूँ और क्या नहीं करूँ। मन ने कहा-'माफी माँग ले। पता नहीं प्रो. दिखावेलाल साहित्य से नाम ही काट देवें।' मैं जल्दी से बोला-'प्रो. साहब माफी चाहता हूँ। मैं कहाँ और आप कहाँ। मैंने तो सहजता से ऐसे ही बात छेड़ दी थी। आपको नाराज होने की जरूरत नहीं है। अज्ञानी तो मैं हूँ, जो ये ही नहीं जानता कि आप क्या हो और मैं क्या हूँ। माफकरना।'

प्रो. दिखावेलाल की बाँछे खिल गई। बोले-'जागे वहीं सवेरा। जाओ आगे ऐसी गलती मत करना। हम बड़े साहित्यकार हैं, तुमको यह बात नहीं भूलनी चाहिए।'

मैं वहाँ से दुम दबाकर भागा और घर आकर साँस ली।

विचार

डॉ. लोकेन्द्रसिंह कोट

लेखक स्तंभकार हैं।

पहली बारिश और पंचतत्व की फुहार

पहली बारिश पहले थाप देती है फिर जोरों से बरसने लगती है और जमीन पर पानी एक मतवाले हाथी की तरह इधर-उधर बहने लगता है ऐसा लगता है जैसे उसे मोक्ष मिल गया हो। धरती के पोर-पोर भरने का साहस उसमें होता है। धरा के उन पोरों में भी वही आकाश होता है जो बाहर होता है। आकाश सबको स्वीकारता है, अच्छा-बुरा सब कोई उसके लिए अस्पृश्य नहीं है। जीवों का शरीर भी पंचतत्व से मिलकर बना है उसमें भी आकाश होता है। जितनी खाली जगह हमारे शरीर में है वह आकाश तत्व ही है। इसलिए मानव के अंदर भी सभी को स्वीकारने का गुण होता ही है।

पहली बारिश की अपनी तासीर है, अपना वर्चस्व है और अपना आसमां है। बड़ी चतुराई से बारिश आसमां को पूरा ढॅक कर चुनर ओढ़ा देती है और सारी तपीश को हाशिए पर ला देती है। वो तपिश जो सिर उठाए थी, आम, अंगूर, खरबूज, तरबूत में घुली हुई थी वह कह उठती है मेरी सखी आई है बारिश, स्वागत कीजिए। बादल बिजली कड़काते हैं जैसे दो मौसम के मिलन की सारी स्मृतियों को अपने अंदर कैद करना चाह रहे हों। उमड़-घुमड़ कर आते बादल जैसे मिलन के नगाड़े बजाते हैं और नीचे जमीन पर सारे जीव इतने शोर में भी आनंद की अनुभूति करते हैं। चट-चप-चप की आवाजों के साथ पहली-पहली बूॅंद जमीन से बाबस्ता होती है तो जैसे ढोलक पर थाप पड़ रही हो और मेघ-मल्हार बज रहा हो। यह सब आस-पास घूम रहे मयूरों को देखने पर पता चलता है कि उनमें चपलता आ जाती है, चिड़ियों के अंदर नया उत्साह भर जाता है, वृक्ष-वृंद ऐसे खड़े हो जाते हो जैसे एक बच्चा नहाने से पहले उत्सुक रहता है। लोगों के चेहरे पर राहत की सांस दिखाई देती है और बच्चों की ऑंखें बड़ी-बड़ी बूॅंदों की भॉंति विस्फारित हो जाती है क्योंकि उन्हे लगता है, उनकी जलक्रीड़ा का समय आ गया है।

पहली बारिश पहले थाप देती है फिर जोरों से बरसने लगती है और जमीन पर पानी एक मतवाले हाथी की तरह इधर-उधर बहने लगता है ऐसा लगता है जैसे उसे मोक्ष मिल गया हो। धरती के पोर-पोर भरने का साहस उसमें होता है। धरा के उन पोरों में भी वही आकाश होता है जो बाहर होता है। आकाश सबको स्वीकारता है, अच्छा-बुरा सब कोई उसके लिए अस्पृश्य नहीं है। जीवों का शरीर भी पंचतत्व से मिलकर बना है उसमें भी आकाश होता है। जितनी खाली जगह हमारे शरीर में है वह आकाश तत्व ही है। इसलिए मानव के अंदर भी सभी को स्वीकारने का गुण होता ही है।

बारिश के पानी के सम्मुख एक विशाल लक्ष्य होता है प्यासी धरा को तृप्त कर देना। पानी की भी यही तृप्ति होती है कि वह धरा को तृप्त कर रहा है। दूसरों को तृप्त करना, यह पंचतत्व के एक अभिन्न सदस्य जल का लक्षण है। जल इतना विनम्र होता है कि वह जहॉं जैसा स्वरूप मिलता है, वैसा हो जाता है। जैसा देश-वैसा भेष के अंदाज में। मानव शरीर का अछूटा अंग है पानी और करीब सत्तर प्रतिशत हमारे शरीर में पानी ही है। इसलिए हमारे अंदर भी विनम्रता का गुण ठूंस-ठूंस कर भरा है। यह विनम्रता ही है कि हमारे व्यक्तित्व को निखार देती है, हमारे आभामंडल को सुधार देती है और लोग हमारी बात न केवल सुनते हैं बल्कि वे हमसे मिलकर बातें करने को भी इच्छुक होते हैं। हमारे होने से उनमें ऊर्जा और सकारात्मकता महसूस होती है।

पहली बारिश के बाद पवन का रुख भी एकदम बदल जाता है। वह कहीं रूठी-रूठी सी थी जो जल की बूॅंदों के साथ मिलकर संगत से रंगत बदलते हुए हमजोली होकर शीतल हो जाती है। इसी हवा में बहती है वह सौंधी खुशबू जो मदहोश कर देती है और रूहानी सा महसूस कराती है। ये हम सब जानते हैं कि बारिश की बूंदों में कोई खुशबू नहीं होती है परन्तु जब ये धरती को स्पर्श करती हैं और धूल कणों से मिलती हैं तब एक प्रकार की सौंधी खुशबू आती है। इस खुशबू को 'पेट्रिकोर' कहा जाता है। कैंब्रिज में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर कुलेन बुई कहते हैं, 'दरअसल, पौधों द्वारा उत्सर्जित किए गए कुछ तैलीय पदार्थ व बैक्टीरिया द्वारा उत्सर्जित कुछ विशेष रसायन बारिश की बूंदों के साथ प्रतिक्रिया करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप हम ऐसी सोंधी खुशबू महसूस करते हैं।' जब बारिश होती है तो मिट्टी में मौजूद नोकार्डिया बैक्टीरिया धरती के गीले होने पर गैसोमाइन नाम का रसायन स्त्रवित करते हैं। जब बारिश की बूंदें धरती की छिद्रयुक्त सतह पर गिरती हैं, वह हवा के छोटे-छोटे बुलबुलों में तब्दील हो जाती है। ये बुलबुले फूटने के पहले ऊपर की और बढ़ते हैं और हवा में बेहद छोटे-छोटे कणों को बाहर निकालते है, जिसे 'एरोसॉल' कहते है। ये एरोसॉल भी सौंधी खुशबू बिखेरने में भूमिका निभाते हैं।

सौंधी खुशबू फैलाने वाली हवा जिससे सारे प्राणी मात्र श्वांस ले रहे होते हैं, जिससे अरबों-खरबों जीवन चल रहे हैं, कभी उसके उपकार पर किसी का ध्यान नहीं गया। ये हवा का गुण ही है कि इतनी सेवा करने के बाद भी कोई सेवा का अहंकार नहीं। हम मानव भी पंचतत्व के नाते हवा से भी बने हैं तो हमारे अंदर भी यह अहंकार विहीन सेवा का गुण तो होगा ही। यह पहली बारिश ही है जो हमारे तन-मन, भावनाओं, विचारों को भिगोती है वही चुपके-चुपके हमें कई संदेश भी देती है।

जिस धरा पर मेघ-मल्हार करता पानी अमृत के रूप में बरस रहा होता है वह भी प्रत्युत्तर में अंकुर और प्रांकुर के माध्यम से नव जीवन का गीत रच देती है। धरती महसूस करती है हर एक पौधे, पेड़ के उल्लास, वेदना, संघर्ष, उनके लालन-पालन को बहुत करीब से। वह सब का ध्यान बगैर किसी भेदभाव के समान रूप से करती है। ये वही धरती है जिसमें हम थोड़ा सा डालते हैं और वह हमारे भंडार भर देती है। यह धरती के देने का सुख हमें सबसे बड़े दानवीर की याद दिलाता है। हममें भी धरती का अंश है तो हमारे अंदर भी उसके सारे गुण होंगे ही।

पहली बारिश की बूॅंदें हमारे मन को यॅू झंकृत करती है मानो हम उसके लिए वाद्ययंत्र हैं। हमारे सारे गुणों को निकालकर बाहर कर देती है कहती है तुम वास्तव में तुम नहीं हो, इस सृष्टि की अनुपम कृति हो। पहली बारिश के रूक जाने के बाद धरा से एक तपिश निकलती है जो कहती है कि पुरानापन बदल कर नवीनता में बदल रहा है। यह तपिश, उष्णता ही पांचवा अग्नि तत्व है जिसकी संगत कहती है कि हमेशा अपने उत्साह को ऊँचा रखें, जैसे एक दिए, हवन कुंड की लौ हमेशा ऊपर ही जाती है। एक जलती मोमबत्ती को यदि उल्टा करने का प्रयास किया जाय तो भी उसकी लौ उपर ही होगी।

यही गुण भी हमारे अंदर भी होगा कि न तो खुद का उत्साह कभी नीचे होनें दें ना ही दूसरों का उत्साह कम होने दें। हमारे शरीर का निश्चित तापमान इसी अगन की वजह से तो है। पहली बारिश हमें खोलकर रख देती है और हमें एहसास कराती है कि हम दैवीय गुणों से परिपूर्ण हैं। ईश्वर ने बिल्कुल अपने जैसा ही बनाकर हमें इस धरती पर भेजा है और साथ में बारिश को इसलिए भेजा कि हम ईश्वर की उपस्थिति और पंच तत्वों को निकटता से महसूस कर सकें।

राजनीति

गौरव अवस्थी

लेखक स्तंभकार हैं।

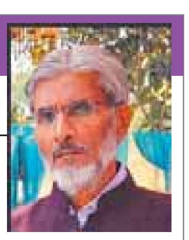

कांग्रेस के सामने वोटरों के बढ़े विश्वास को बढ़ाने की चुनौती

याद कीजिए, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में लड़े गए 2014 के आम चुनाव में कांग्रेस को स्वतंत्रता के बाद हुए चुनाव में सबसे कम 44 सीटें मिलीं थीं। 2019 में कांग्रेस की सूरत थोड़ी ही बदली। हाल कमोबेश पहले जैसा ही था। कांग्रेस के इस हालात पर बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषकों चिंतकों और मूर्धन्य पत्रकारों ने कांग्रेस के खत्म होने की भविष्यवाणी और प्रधानमंत्री मोदी ने तो कांग्रेस मुक्त भारत की कल्पना ही कर डाली। आपको याद होगा 2014 में करारी हार के बाद राहुल गांधी के अचानक एक महीने अज्ञातवास पर चले जाने को भी न जाने किस-किस चश्मे से देखा गया। उन्हें पलायनवादी बता दिया गया। कुछ विद्वानों ने तो कांग्रेस नेतृत्व को 'अविश्वासी' तक कहने में संकोच नहीं किया।

आंकड़ों की लीला अजीब होती है। आंकड़े डराते हैं और सुखद अहसास भी कराते हैं। बशर्ते आंकड़े बदलने के लिए कड़ा पसीना बहाया गया हो आंकड़ों में जरा सा हेरफेर आसान है लेकिन हकीकत कठिन। पिछले दो चुनावों के आंकड़े कुछ ऐसे ही थे लेकिन इस बार आंकड़ों में हल्का सा उलट-पुलट कांग्रेस में नई जान डालने वाला साबित हुआ है।

याद कीजिए, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में लड़े गए 2014 के आम चुनाव में कांग्रेस को स्वतंत्रता के बाद हुए चुनाव में सबसे कम 44 सीटें मिलीं थीं। 2019 में कांग्रेस की सूरत थोड़ी ही बदली। हाल कमोबेश पहले जैसा ही था।

कांग्रेस के इस हालात पर बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषकों चिंतकों और मूर्धन्य पत्रकारों ने कांग्रेस के खत्म होने की भविष्यवाणी और प्रधानमंत्री मोदी ने तो कांग्रेस मुक्त भारत की कल्पना ही कर डाली। आपको याद होगा 2014 में करारी हार के बाद राहुल गांधी के अचानक एक महीने अज्ञातवास पर चले जाने को भी न जाने किस-किस चश्मे से देखा गया। उन्हें पलायनवादी बता दिया गया। कुछ विद्वानों ने तो कांग्रेस नेतृत्व को 'अविश्वासी' तक कहने में संकोच नहीं किया।

वोट शेयर के आइने में आपको बहुत बदलाव नजर नहीं आएगा लेकिन कुल मिले वोटो का तुलनात्मक अध्ययन से कांग्रेस के प्रति वोटरों के बढ़ते विश्वास को आप महसूस कर सकेंगे।

2014 और 2019 के चुनाव में चुनाव में कांग्रेस को क्रमशः 10,69, 35942 (19.53%) और 11,04,95 214 (19.47%) वोट मिले। 2014 के मुकाबले 2019 में .06% वोट कम मिलने के बावजूद कांग्रेस के आठ सांसद ज्यादा जीते और करीब 36 लाख वोट अधिक मिले। वर्ष 2024 के आम चुनाव में 1.72% की वृद्धि के साथ कांग्रेस के खाते में 21.19% मत आए हैं। मामूली सी लगने वाली इस वृद्धि से कांग्रेस से 47 सांसद अधिक चुने गए हैं।

इस चुनाव में कांग्रेस को 13,67,59,064 वोट मिले हैं। 2019 के मुकाबले इस बार के चुनाव में कांग्रेस के 1,72,63,850 वोट अधिक हैं। इसका साफ मतलब है कि कांग्रेस के प्रति वोटरों का विश्वास बढ़ा है लेकिन इन वोटरों का विश्वास बनाए रखते हुए वोट शेयर और बढ़ाने की चुनौती कांग्रेस के सामने अभी भी खड़ी है। यह भी सही है कि 40 साल बाद कांग्रेस 12 करोड़ वोटों से आगे के सफर पर निकली है।

आप याद कीजिए, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 2024 के चुनाव के 2 साल पहले वातानुकूलित कमरे छोड़कर भारत जोड़ो यात्रा पर कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल चले। समय लगाया। पसीना बहाया। धूप देखी न बारिश।

हवा न बर्फबारी। मणिपुर से मुंबई तक भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले। इस मेहनत का अंजाम आंकड़ों में देखेंगे तो बहुत फर्क नजर नहीं आएगा लेकिन सांसदों की संख्या दोगुने के करीब पहुंच गई और नए वोटर जुड़ने का आंकड़ा सुखद एहसास कराने वाला है लेकिन इसका यह मतलब कतई नहीं है कि कांग्रेस चुपचाप बैठ जाए।

अभी कांग्रेस और भाजपा के बीच करीब 10 करोड़ वोटों का फासला बना हुआ है। भाजपा को 24 के आम चुनाव में 23 करोड़ से ज्यादा वोट मिले हैं। इस फासले को खत्म करने के लिए अभी कांग्रेस या कह लीजिए इंडिया गठबंधन को 5 करोड़ वोटरों को अपने पाले में लाने की चुनौती बरकरार है। इस उपलब्धि पर कांग्रेस या इंडिया गठबंधन का इतराना आत्मघाती होगा। इसका सीधा मतलब है कि एनडीए को देश पर शासन करने के और मौके मयस्सर होंगे।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

लेखक पत्रकार हैं।

बाल श्रम पर लगे लगाम

किसी देश के बच्चे अगर शिक्षित और स्वस्थ्य होंगे तो वह देश उन्नति और प्रगति करेगा और देश में खुशहाली आयेगी। लेकिन अगर बच्चे बचपन से ही किताबों को छोड़कर कल-कारखनों में काम करने लगेंगे तो देश समाज का भविष्य उज्वल नहीं होगा। इसीलिये बच्चों को देश का भविष्य कहा जाता है। देश में आज भी करोड़ों बच्चे स्कूलों की बजाए कल-कारखानों, ढाबों और खतरनाक कहे जाने वाले उद्योगों में कार्य कर रहे हैं। जहां दो पेट के भोजन की शर्त पर उनका बचपन और भविष्य तबाह हो रहा है।

बाल श्रम लगातार एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। जिसके कारण बच्चों का बचपन गर्त में जा रहा है और उनको अपना अधिकार नहीं मिल पा रहा है। यह दिवस बाल श्रम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और इसको पूरी तरह से समाप्त करने के लिए व्यक्ति, गैर सरकारी संगठन एवं सरकारी संगठनों को प्रेरित करने के लिए मनाया जाता है। इस साल विश्व बाल श्रम निषेध दिवस का थीम आइए अपनी मांगों पर कार्य करें बाल श्रम समाप्त करें! इस दिन जागरूकता बढ़ाने, बदलाव की पहल करने और बाल श्रम से मुक्त भविष्य की दिशा में योगदान करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है।

संयुक्त राष्ट्र ने बाल श्रम पर कहा है कि पिछले तीन दशकों के इस समस्या से निपटने के लिए कई प्रयास किए गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, अगर मूल कारणों को दूर कर दिया जाए तो बाल श्रम को खत्म किया जा सकता है। बाल मजदूरी उन्मूलन के लिए दुनिया भर में 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया जा रहा है। बाल मजदूरी के खिलाफ जागरूकता फैलाने और 14 साल से कम उम्र के बच्चों को इस काम से निकालकर उन्हें शिक्षा दिलाने के उद्देश्य से साल 2002 में द इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की ओर से इस दिवस की शुरुआत की गई थी। बाल श्रम के खात्मे के लिए आज के दिन श्रमिक संगठन, स्वयंसेवी संगठन और सरकारें तमाम आयोजन करती हैं। इन सबके बावजूद बाल मजदूरी पर लगाम नहीं लग पा रही है।

भारत में आदिकाल से ही बच्चों को ईश्वर का रूप माना जाता रहा है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य इस सोच से काफी भिन्न है। बच्चों का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। गरीब बच्चे स्कूल में शिक्षा प्राप्त करने की उम्र में मजदूरी कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से भारत सरकार एवं राज्य सरकारों की पहल इस दिशा में सराहनीय है। उनके द्वारा बच्चों के उत्थान के लिये अनेक योजनाओं को प्रारंभ किया गया है, जिससे बच्चों के जीवन व उनकी शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव दिखे। शिक्षा का अधिकार भी इस दिशा में एक सराहनीय कार्य है। इसके बावजूद बाल श्रम की समस्या अभी भी एक विकट समस्या के रूप में विराजमान है।

वर्तमान में देश के विभिन्न क्षेत्रों में छोटे स्तर पर होटल, घरों व फैक्ट्री में काम कर या अलग अलग व्यवसाय में मजदूरी कर लाखों बाल श्रमिक अपने बचपन को तिलांजलि दे रहें हैं, जिन्हें न तो किसी कानून की जानकारी है, और ना ही पेट पालने का कोई और तरीका पता है। भारत में ये बाल श्रमिक कालीन, दियासलाई, रत्न पॉलिश व जवाहरात, पीतल व कांच, बीड़ी उघोग, हस्तशिल्प, सूती होजरी, नारियल रेशा, सिल्क, हथकरघा, कढ़ाई, बुनाई, रेशम, लकड़ी की नक्काशी, फिश फीजिंग, पत्थर की खुदाई, स्लेट पेंसिल, चाय के बागान में कार्य करते देखे जा सकते हैं। लेकिन कम उम्र में इस तरह के कार्यों को असावधानी से करने पर इन्हें कई तरह की बीमारियां होने का खतरा होता है। एक अध्ययन में पता चला है कि जितने भी बच्चे बालश्रम में लिप्त हैं, वे या तो निरक्षर थे या पढ़ाई छोड़ दी थी। इनमें अधिकांश बच्चे बीमार पाए गए और कई बच्चे नशे के आदि भी थे।

बाल श्रम की समस्या का मुख्य कारण है निर्धनता और अशिक्षा है। जब तक देश में भुखमरी रहेगी तथा देश के नागरिक शिक्षित नहीं होंगे तब तक इस प्रकार की समस्याएं ज्यों की त्यों बनी रहेंगी। देश में बाल श्रमिक की समस्या के समाधान के लिये प्रशासनिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सभी स्तरों पर प्रयास किया जाना आवश्यक हैं। यह आवश्यक है कि देश में कुछ विशिष्ट योजनाएं बनाई जाएं तथा उन्हें कार्यान्वित किया जाए जिससे लोगों का आर्थिक स्तर मजबूत हो सके और उन्हें अपने बच्चों को श्रम के लिये विवश न करना पड़े। प्रशासनिक स्तर पर सख्त-से-सख्त निर्देशों की आवश्यकता है जिससे बाल-श्रम को रोका जा सके। व्यक्तिगत स्तर पर बाल श्रमिक की समस्या का निदान हम सभी का नैतिक दायित्व है। इसके प्रति हमें जागरूक होना चाहिये तथा इसके विरोध में सदैव आगे आना चाहिये।

पूरी दुनिया के लिये बाल श्रम की समस्या एक चुनौती बनती जा रही है। विभिन्न देशों द्वारा बाल श्रम पर प्रतिबंध लगाने के लिये समय समय पर विभिन्न प्रकार के कदम उठाए गए हैं। बाल श्रम को काबू में लाने के लिये विभिन्न देशों द्वारा प्रयास किये जाने के बाद भी इस स्थिति में सुधार न होना चिंतनीय है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट से पता चलता है कि बाल श्रम को दूर करने में हम अभी बहुत पीछे हैं। दुनिया भर में 73 मिलियन बच्चे खतरनाक काम करते हैं। खतरनाक श्रम में मैनुअल सफाई, निर्माण, कृषि, खदानों, कारखानों तथा फेरी वाला एवं घरेलू सहायक इत्यादि के रूप में काम करना शामिल है।

बाल श्रम केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, यह एक वैश्विक घटना है। यूनीसेफ के अनुसार बच्चों का नियोजन इसलिये किया जाता है, क्योंकि उनका आसानी से शोषण किया जा सकता है। बच्चे अपनी उम्र के अनुरूप कठिन काम जिन कारणों से करते हैं, उनमें आमतौर पर गरीबी पहला कारण है। इसके अलावा, जनसंख्या विस्फोट, सस्ता श्रम, उपलब्ध कानूनों का लागू नहीं होना, बच्चों को स्कूल भेजने के प्रति अनिच्छुक माता-पिता जैसे अन्य कारण भी हैं। बाल श्रम (प्रतिबंध एवं नियमन) संशोधन अधिनियम, 2016 के जरिए बाल श्रम (प्रतिबंध एवं नियमन) अधिनियम 1986 में संशोधन किया गया है ताकि किसी काम में बच्चों को नियुक्त करने वाले व्यक्ति पर जुर्माना के अलावा सजा भी बढ़ाई जा सके। संशोधित कानून सरकार को ऐसे स्थानों पर और जोखिम भरे कार्यों वाले स्थानों पर समय समय पर निरीक्षण करने का अधिकार देता है जहां बच्चों के रोजगार पर पाबंदी है।

संशोधित कानून के जरिए इसका उल्लंघन करने वालों के लिए सजा को बढ़ाया गया है। बच्चों को रोजगार देने वालों को अब छह महीने से दो साल की जेल की सजा होगी या 20,000 से लेकर 50,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों लग सकेगा। पहले तीन महीने से एक साल तक की सजा और 10,000 से 20,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान था। दूसरी बार अपराध में संलिप्त पाए जाने पर नियोक्ता को एक साल से लेकर तीन साल तक की कैद की सजा का प्रावधान किया गया है। कानून के मुताबिक किसी भी बच्चे को किसी भी रोजगार या व्यवसाय में नहीं लगाया जाएगा। हालांकि स्कूल के समय के बाद या अवकाश के दौरान उसे अपने परिवार की मदद करने की छूट दी गई है।

समाज के प्रमुख लोगों को बाल श्रम को रोकने की दिशा में एक नई पहल करनी चाहिये। लोागें को बाल श्रम को रोकने के लिये समाज में जागरूकता लाने का प्रयास करना चाहिये व बच्चो से काम करवाने वाले लोगों के खिलाफ कानूनन कार्यवाही करवानी चाहिये तभी बाल श्रम पर रोक लग पायेगी। कानूनन कार्यवाही के डर से मालिक बाल श्रमिको को अपने यहां काम पर रखने से डरने लगेगें।

ग्रामीणों ने बड़ी नदी पर श्रमदान कर दिया जल संरक्षण का संदेश

बैतूल। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सोमवार को म.प्र. जन अभियान परिषद की ब्लॉक समन्वयक श्रीमती मधु चौहान के नेतृत्व में ग्रामीणों ने आठनेर विकासखंड के ग्राम जामगांव में बड़ी नदी पर श्रमदान कर जल संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान झाड़-झाड़ियों एवं कचरे को हटाया गया और नदी का गहरीकरण किया गया। साथ ही ग्राम में कलश यात्रा निकाल कर ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी ने बताया कि जिले के सभी विकासखण्डों में तालाब, बावड़ी गहरीकरण, नदी, नालों और ऐतिहासिक एवं पारम्परिक जल संरचनाओं के संरक्षण, पुनर्जीवन के लिए सम्पूर्ण जिले में अभियान चलाकर जल संवर्धन और संरक्षण के लिये आमजन को प्रेरित किया जा

रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान में जिले के नागरिकों से भी आगे आकर सहभागिता कर रहे है।

सोकपिट गड्ढे की सफाई

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम धामोरी में नवांकुर संस्था, नगर विकास समिति आठनेर के अध्यक्ष कैलाश आजाद द्वारा ग्राम में बैठक ली गई। बैठक उपरांत ग्राम के सोकपिट गड्ढे के आस-पास साफ-सफाई की गई। कार्यक्रम में प्रस्फुटन समिति सदस्य, सीएमसीएलडीपी छात्र एवं नवांकुर संस्था, मेंटर सहित जनप्रतिनिधि, ग्रामवासी उपस्थित थे।

गुरुद्वारा कमेटी नि:शुल्क देगी मरीजों को व्हील चेयर

बैतूल। नर सेवा ही नारायण सेवा होती है। सच्ची समाज सेवा वह है जो पीड़ित मानवता के दर्द को समझे और उसका निराकरण करे। इसी उद्देश्य को लेकर गुरु सिंघ सभा बैतूल में सेवा के लिए समर्पित श्री गुरु नानक सोशल कल्चरल वेलफेयर सोसायटी के द्वारा बुजुर्गों, बीमारों और दिव्यांगों के लिए निशुल्क व्हील चेयर की सुविधा की गई है। अभी समिति ने 5 चेयर्स की व्यवस्था की है भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर और भी चेयर्स और मरीजों के सामान की व्यवस्था की जाएगी। अध्यक्ष सरबजीत सिंह वालिया और संजु भाटिया ने बताया कि कोई भी जरूरतमंद आधार कार्ड की छायाप्रति जमा कर व्हील चेयर गुरूद्वारा आकर ले जा सकता है और अपनी आवश्यकता पूरी होने की बाद उसे चेयर वापस करना होगा। बबलू दुबे और इंदी वालिया ने कहा कि जिस किसी के यहां भी अनुपयोगी वॉकर, वॉकर स्टिक, वॉटर बेड आदि मरीजों के सामान हो वह समिति को दान कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि गुरुद्वारे में पूर्व से ही मेडिकल स्टोर का संचालन किया जा रहा है जिसमें मरीजों को बिना लाभ कमाए दवाईयां दी जाती हैं। समिति की इस पहल की सभी ने सराहना की है।

बच्चे गहने जैसे, किसी के भरोसे ना छोड़ें, शौर्या दल की बैठक संपन्न

बैतूल। परवाह परियोजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत चिल्कापुर में शौर्या दल की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में भैंसदेही थाना प्रभारी सुश्री अंजना धुर्वे विशेष रूप से उपस्थिति रही। थाना प्रभारी द्वारा महिला हिंसा संबंधी और बच्चों के साथ होने वाले लैंगिक अपराधों के संबंध में जानकारी देते हुए लोगों को जागरूक किया। उन्होने कहा कि सभी माताओं को अपने बच्चों को गुड टच- बैड टच की जानकारी देनी चाहिए। बच्चो के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा की हम अपने गहनों की तिजोरी की चाबी पड़ोसी को नही देते तो बच्चो को क्यों पड़ोसी के भरोसे छोड़ देते। क्या बच्चे

गहनों से सस्ते है। इस प्रकार अन्य उदाहरण देकर बालको के लैंगिक शोषण को समझाया गया। साथ ही उन्होने लाडली बहना योजना के पैसों को सेविंग कर भविष्य की प्लानिंग करने हेतु सुझाव दिए गए। किशोरियो को पढ़ाई के साथ-साथ खेलो का भी महत्व बताते हुए बच्चो को मोबाइल से दूर रखने की बात कही। बैठक में आवाज जिला समन्वय भूपेंद्र लोखंडे ने बाल विवाह को लेकर बनाए गए कानून से अवगत कराया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती इंदिरा बारस्कर, श्रीमती सुनीता चढोकर, आवाज से विनीत धोटेकर, श्रीमती संगीता लिखीतकर, श्रीमती भावना मस्की के सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

पुलिस ने शातिर बदमाश को किया गिरफ्तार

बैतूल। वरिष्ठ अधिकारियो द्वारा अपराधों के निराकरण के निर्देश लगातार प्राप्त हो रहे थे जिसके तारतम्य में आमला पुलिस द्वारा लखनऊ से एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता प्राप्त की है। दिनांक 23-04-24 को एक नाबालिग बालिका निवासी थाना क्षेत्र आमला द्वारा पुलिस अधीक्षक को रिपोर्ट की गई थी,कि उसके इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिषेक मौर्य नाम के लड़के ने जो कि, लखनऊ यूपी का रहने वाला है,द्वारा इंस्टाग्राम पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजकर लड़की को बातों में फसाकर दोस्ती की एवं चौटिंग के दौरान लड़की का फोटो प्राप्त करके,कंप्यूटर तकनीकी का दुरुपयोग करते हुए अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेलिंग का प्रयास करने लगा।

उक्त शिकायत पर आमला पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए धारा 354, 506,509 आईपीसी, पॉस्को एक्ट व आईटी एक्ट की कारगर धाराओं के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया था, लगातार विवेचना कर साइबर की मदद लेते हुए लड़के का सही पता व जानकारी प्राप्त की गई। थाना प्रभारी आमला द्वारा अपराध मे आरोपी की यूपी में लगातार तलाश की जा रही थी। आरोपी कंप्यूटर व साइबर ज्ञान का मास्टर माइंड है जो पुलिस टीम से लगातार बच रहा था गिरफ्तारी हेतु उप निरीक्षक नितिन पटेल को टीम के साथ लखनऊ भेजा गया जो साइबर टीम के लगातार संपर्क में थे, आरोपी के सभी संभावित ठिकानों पर लगातार लखनऊ पुलिस के सहयोग से छापे डाले गये व आरोपी को पुलिस हिरासत में लिया गया। इस कार्य में उप निरीक्षक नितिन पटेल और टीम की भूमिका बेहद सराहनीय रही है।

आजादी के बाद पहले स्थानीय सांसद, जो बने केंद्रीय राज्यमंत्री

बैतूल का डीडी अध्याय आरंभ

संजय द्विवेदी बैतूल।

आजादी के बाद दुर्गादास उइके पहले स्थानीय व्यक्ति हैं जो सांसद के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री बने हैं। उनके राज्यमंत्री बने की खबर लगते ही बैतूल लोकसभा क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। बैतूल जिले के सभी 5 विधानसभा में पांच भाजपा के विधायक और केंद्रीय राज्यमंत्री अब मिलकर जिले का बेहतर विकास कर सकते हैं। बैतूल सांसद दुर्गादास उइके को मोदी मंत्रिमंडल में स्थान मिलने पर जिले को 29 साल बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व मिल पाया है। डीडी उइके दूसरी बार रिकॉर्ड तोड़ वोटों से चुनाव जीते है। डीडी उइके ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रामू टेकाम को 3 लाख 80 हज़ार वोटों से हराया है। साल 2019 में उन्होंने नौकरी से त्यागपत्र देकर भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। तब उन्होंने रामू टेकाम को ही 3 लाख 62 हजार वोट से हरा दिया था।

दुर्गादास उइके ने मोदी के मंत्रिमंडल में राज्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मोदी के मंत्रिमंडल के सभी राज्यमंत्री को शपथ दिलाई। बैतूल लोकसभा सीट से दूसरी बार सांसद चुने गए है। इसके बाद उनके परिवार में जश्न का माहौल है। राजनीति में आने से पहले वे एक सरकारी शिक्षक रह चुके हैं। ये आदिवासी नेता हैं और इन्हें डीडी उइके के नाम से भी जाना जाता है। इससे पहले मंत्रिमंडल में बैतूल से सांसद असलम शेर खान को पीएमओ में राज्यमंत्री बनाया गया था। साल 1984 और 1991 में असलम शेर खान बैतूल से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। इसके बाद साल 1995 में पी व्ही नरसिंहराव मंत्रिमंडल में केंद्रीय मंत्री बने थे। वह भी प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री बने थे।

दुर्गा की शपथ और दुर्गा के वाहन के दर्शन

बैतूल। बैतूल-हरदा-हरसूद लोकसभा क्षेत्र के लिए 9 जून की शाम तब ऐतिहासिक हो गई, जब उनके गुरूजी केन्द्रीय मंत्री बन गए। संतरी यानी आरक्षक के पद से शुरू हुआ उनका सफर अब मंत्री तक जा पहुंचा है। बैतूल-हरदा-हरसूद के सांसद दुर्गादास उइके का शपथ लेने वाला वीडियो तब और वायरल हो गया, जब मां दुर्गा का वाहन शेर की ही प्रजाति का तेंदुआ जैसा जानवर वीडियो में नजर आया। राष्ट्रपति भवन की ये क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें बैतूल के बीजेपी सांसद दुर्गादास उइके ने शपथ ली, तभी मंच के पीछे राष्ट्रपति भवन बिल्डिंग के भीतर एक जानवर चहलकदमी करता दिखाई दिया। इसके अलावा जब सांसद अजय टमटा शपथ ले रहे थे, तब भी उक्त जानवर की झलक देखने को मिली। शपथ ग्रहण कार्यक्रम के दौरान किसी की नजर इस पर नहीं पड़ी। लेकिन जब ये वीडियो सामने आया, तो सब हैरान रह गए। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो राष्ट्रपति भवन के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर भी देखा जा सकता है। राष्ट्रपति भवन के चैनल पर वीडियो के 2 घंटे 46 मिनट 29 सेकंड के बाद वायरल हो रहे वीडियो का हिस्सा देख सकते हैं। इससे ये साबित होता है कि ये वीडियो फेक नहीं है।

जानिए डीडी उइके के बारे में

डीडी उइके का पूरा नाम दुर्गादास उइके है। उनका जन्म 29 अक्टूबर, 1963 (58 वर्ष) को उनका जन्म मीरापुर, पोस्ट-रायआमला, तहसील-मुलताई, जिला-बैतूल में हुआ था। उनके पिता का नाम सूरत लाल उइके है, और वह भी पेशे से शिक्षक थे। डीडी उइके का बचपन ग्राम-बासनेरखुर्द में बीता, जबकि प्रारंभिक शिक्षा चोहटा पोपटी, में की। उन्होंने आगे की पढ़ाई .शासकीय जयवंती हक्सर महाविद्यालय बैतूल से पूर्ण की और बीएड. शासकीय महाविद्यालय-खंडवा से पूरी की।

इन विभागों में भी की नौकरी

डीडी उइके ने न केवल शिक्षा विभाग में नौकरी की। बल्कि उन्होंने पुलिस और जनपद की भी नौकरी की है। आमतौर पर उन्हें शिक्षक के रुप में ज्यादा जाना जाता है। डीडी उइके की सबसे पहले पुलिस विभाग में नौकरी लगी थी। उन्होंने उज्जैन में आरक्षक के तौर पर 1 साल तक नौकरी भी की। उसके बाद पुलिस विभाग में नौकरी छोड़ दी और वह भीमपुर ब्लॉक ऑफिस में लिपिक बन गए। लेकिन उन्होंने यह नौकरी भी छोड़ दी और नौकरी छोड़ने के बाद वह शिक्षक बन गए उन्होंने साल 2019 तक आदिम जाति कल्याण विभाग में शिक्षक थे।

सांसद के रूप में कार्यकाल

डीडी उईके को मराठी, हिंदी और गोंडी एवं कोरकू भाषा का ज्ञान है। पिछले उनके संसदीय कार्यकाल में उन्हे उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, (सलाहकार समिति) सदस्य। रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (स्थायी समिति) सदस्य गृह मंत्रालय,संसदीय राजभाषा समिति सदस्य जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार (सलाहकार समिति) सदस्य। भारतीय डाक सेवा, (सलाहकार समिति) सदस्य बनाया गया था।

भाजपाइयों ने मनाया जश्न, मिठाई बांटकर किया खुशी का इजहार

बैतूल। सांसद दुर्गादास उइके को केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान मिलने पर भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाकर खुशी का इजहार किया। रविवार की रात जैसे ही श्री उइके ने राज्यमंत्री की शपथ ली, वैसे ही लल्ली चौक पर भाजपा नेताओं ने आतिशबाजी चलाकर खुशी मनाई और एक-दूसरे को बधाई दी। इस दौरान उन्होंने मिठाई का वितरण भी किया। इस मौके पर भाजपा नेता सुनील गुड्डू शर्मा, राजेश आहूजा, अतीत पवार, महेश राठौर, रक्कू शर्मा, दीपू सलूजा, विकास मिश्रा, बलवीर मालवीय, सूर्या त्रिवेदी, बबलू मालवीय, कैलाश घोटे, मनीष मिसर, ओम मालवीय, मुकेश झारे सहित अन्य मौजूद थे।

भूमि के जल स्तर को बढ़ाने का मुख्य अभियान है जल गंगा संवर्धन अभियान : अक्षत जैन

बैतूल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर विकास श्री अक्षत जैन ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों के रखरखाव का मुख्य उद्देश्य भूमि के जलस्तर में वृद्धि करना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान संदर्भों में मानव जीवन के लिए यह अभियान नहीं एक जल आंदोलन है, जिसकी देखरेख के लिए मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव स्वयं जिलों में जाकर अभियान में शामिल हो रहे है। उन्होंने कहा कि कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी की अगुवाई में बैतूल जिले का हर एक नागरिक अपने-अपने स्तर से जल संरक्षण की मुहिम में लगा है।

77 ग्राम पंचायतों में श्रमदान-सीईओ श्री जैन ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद बैतूल की समस्त 77 ग्राम पंचायतों में जल स्त्रोत नदी, तालाबों, कुओं, बावड़ी तथा अन्य जल स्त्रोतों एवं संरचनाओं को पुर्नजीवन कराने हेतु ग्राम पंचायतों द्वारा एक जल संरचना (तालाब/अमृत सरोवर) का चयन कर संरचना की साफ-सफाई, जीर्णोद्धार का कार्य एवं जल संरचनाओं को सुरक्षित रखने हेतु कार्यों में श्रमिक नियोजन किया जा रहा है। जिसमें क्षेत्रीय ग्राम के गणमान्य एवं वरिष्ठ नागरिक, ग्रामवासियों, सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, मोबिलाइजर एवं छात्र-छात्राओं द्वारा श्रमदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान भूमिगत जल स्तर को

बढ़ाने, जल को दूषित होने से बचाने एवं दुरुपयोग पर भी चर्चा की गई।

मेरा खेत मेरा तालाब-श्री अक्षत जैन ने बताया कि अभियान के 6वें दिन सोमवार को मनरेगा के अंतर्गत बैतूल जिले की ग्राम पंचायत सांईखंडारा में ग्रामीणों के निजी खेतों में खेत तालाब के निर्माण के कार्य किए गए। इसके अंतर्गत लगभग 17 खेत तालाबों के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। खेत तालाब के अंतर्गत लगभग ढाई एकड़ के खेत में कम से कम 15×15 मीटर चौड़े खेत तालाब का निर्माण किया जाता है और इसके बड़े खेतों को मध्य 35×35 मीटर लंबे बड़े तालाब का निर्माण किया जाता है। इससे कृषक के खेत में बरसात का पानी एकत्रित हो जाता है। जिसे वह अपने खेतों में सिंचाई के लिए समय आने पर उपयोग कर सकते है।

कन्टूर ट्रेंच बॉक्स का निर्माण-जल संरक्षण एवं संवर्धन अभियान के अंतर्गत बैतूल की ग्राम पंचायत रेडवा में कन्टूर ट्रेंच बॉक्स के निर्माण कार्य श्रमिक नियोजन से कराए गए। कन्टूर ट्रेंच बॉक्स का निर्माण पहाड़ों पर बारिश के पानी को एकत्रित करने के लिए किया जाता है। बरसात का पानी पहाड़ों पर गिरने के बाद सीधे नीचे बहकर चला जाता है। इस पानी को रोककर इसके सदुपयोग के लिए पथरीले क्षेत्र में बॉक्स टाइप निर्माण कार्य किए गए है।

बोल्डर चेक डेम-शासन द्वारा एक अभियान के तहत नेचुरल जल स्त्रोतों के रखरखाव एवं जीर्णोद्धार के साथ ही आर्टिफिशियल रूप से बरसात के जल को संरक्षित करने के प्रयास जा रहे है। इसके अंतर्गत कन्टूर ट्रेंच के साथ ग्राम रेडवा में बोल्डर चेक डेम का निर्माण किया गया। नाले एवं छोटे स्ट्रीम ड्रेनेज में मिट्टी के क्षरण को रोकने के लिए बोल्डर का इस्तेमाल करके बरसात के पानी को इन नालों में रोका जाता है। बरसात के पानी का एक बड़ा भाग व्यर्थ बह जाता है। मनरेगा के अंतर्गत ऐसे छोटे-छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कार्य जल संरक्षण के अंतर्गत किए गए।

कलश यात्रा से प्रारंभ आज का अभियान-जनपद पंचायत बैतूल की ग्राम पंचायत भरकावाड़ी में ग्रामीणों द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा का उद्देश्य ग्रामीणों का ध्यान इस अभियान की ओर आकर्षित करना था। ग्रामीण महिलाओं एवं बेटियों ने अपने सिर पर कलश रखकर यात्रा निकाली।

जेल में निरुद्ध महिला बंदियों को ब्यूटी पार्लर का दिया प्रशिक्षण

बैतूल। जिला जेल में निरुद्ध महिला बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जेल प्रशासन प्रयासरत है। जेल प्रशासन द्वारा प्रेरणा मेकओवर एकेडमी बैतूल के माध्यम से जेल में निरुद्ध महिला बंदियों को 05 दिवसीय निशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सोमवार को प्रशिक्षण के समापन अवसर पर संस्था की ओर से प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

जेल अधीक्षक योगेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण द्वारा निरीक्षण के दौरान बंदियों को स्वरोजगार मूलक प्रशिक्षण प्रदान किए जाने के निर्देश दिए गए थे। इसी अनुक्रम में पहल करते हुए प्रेरणा मेकओवर एकेडमी बैतूल के माध्यम से न्यायिक अभिरक्षा में निरुद्ध महिला बंदियों को ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण दिलवाया गया। यह प्रशिक्षण जेल से रिहाई होने उपरांत महिला बंदियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने एवं महिला बंदियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षक श्रीमती सोनल पाटिल को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जेल स्टॉफ उपस्थित रहा।

रक्तदान शिविर एवं जागरूकता रैली 14 जून को

बैतूल। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर 14 जून को विशाल रक्तदान जागरूकता रैली एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। सिविल सर्जन डॉ.अशोक बारंगा ने बताया कि विश्व रक्तदाता दिवस के मौके पर जिला चिकित्सालय परिसर से 14 जून को प्रात: 9.30 बजे रक्तदान जागरूकता रैली निकाली जाएगी, जो शहर के प्रमुख क्षेत्र में पहुंचकर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करेगी। तत्पश्चात् जिला चिकित्सालय के ब्लड यूनिट में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारी, कर्मचारियों से रक्तदान शिविर एवं जागरूकता रैली में उपस्थित होने की अपील की है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया

आओ सब मिलकर कसम खाएं बूंद बूंद कर पानी बचाएं -नेहा गर्ग

बैतूल। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जन अभियान परिषद प्रत्याशा महिला एवं बाल उत्थान समिति एवं प्रदीपन संस्था द्वारा आनंदम आंगनवाड़ी केंद्र विकास वार्ड मैं जल संरक्षण को लेकर एवं पर्यावरण सुरक्षा पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर नेहा गर्ग द्वारा की गई श्रीमती नेहा गर्ग ने कहा कि घरों से शुरुआत की जाए जल संरक्षण की जल का जितना उपयोग हो उतना ही उपयोग किया जाए व्यर्थ पानी ना बाहर जाए पौधारोपण करके ही पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सकता है श्रीमती रेखा गुजरे प्रदीपन संस्था ने बताया कि नदियों की स्वच्छता से नदियों को संरक्षित किया जा सकता है नदियों में पॉलिथीन ना डाले एवं तुलीका पचौरी प्रत्याशा संस्था अध्यक्ष ने कहा कि नदियों के महत्व को सभी को समझना बहुत ही आवश्यक है जल है तो

कल है नदियों का संरक्षण एवं स्वच्छता की बहुत ज्यादा आवश्यकता है और सभी से अपील की गई की नदियों में पॉलिथीन एवं कचरा ना डालें नदियों को सहेजने एवं स्वच्छता में अपनी भागीदारी अवश्य करें प्रमिला धोत्रे ने बताया कि जब हम घर के बाहर निकलते हैं तब हमें समस्याएं समझ में आती हैं इतनी अधिक गर्मी और पानी की कमी का एहसास होता है हमें इसे संरक्षित करना है और आगे आने वाले भविष्य के लिए भी संजो के रखना है श्रीमती दीपा मालवी ने कहा कि जल के बिना जीवन संभव नहीं है । सभी सजीवों के लिए जल की आवश्यकता है जितना जरूरी हो उतना ही उपयोग करें और अपने बच्चों को भी सिखाए जल का महत्व श्री शैलेंद्र मालवी भूपेंद्र ग्राम उत्थान समिति अध्यक्ष ने बताया कि मूर्तियों को नदियों में विसर्जित ना करें अपने घरों में ही एक टब या बाल्टी में विसर्जित करें क्योंकि मूर्तियों को सजाने में कई तरह के केमिकल का और पेंट का उपयोग होता है जो शरीर के लिए हानिकारक है प्रमिला धोत्रे, रुकमणि सोनारे, शेलेंद्र मालवीय,अल्का नागले, दीपमाला खातरकर, रविशंकर चवारे, सुनिल गुजरे, विशाल आर्य,राकेश मन्नासे, पुनम अतुलकर, ज्योति बाग्वे,जय भावेश गीता रावत शारदा वानखेडे करुणा जैन उपस्थित थे उषा सतनकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने कहा कि हम लोग भी समय-समय पर सभी महिलाओं को जल बचाने और जल का महत्व के बारे में जानकारी देते हैं।

सफलता का मंत्र

राजेश शर्मा

वाकिफ कहाँ जमाना हमारी उड़ान से... वो और थे जो हार गए आसमान से...

मोदी सरकार 3.0 में केंद्रीय राज्य मंत्री बनी सावित्री ठाकुर का संघर्ष और सफलता

सफलता कब, कहाँ और कैसे मिल जाए इसका कोई पैमाना नही है.. पर खामोशी के साथ मंजिल पर नज़र रखने वाले.. धूप – छाँव, लाभ – हानि, यश – अपयश से विचलित हुए बिना संघर्ष करने वालों की समाज जय– जयकार करता है... मोदी सरकार 3.0 के शपथ ग्रहण होते ही छोटे से गाँव के साधारण से किसान परिवार की जनजाति समाज से आने वाली एक सामान्य कार्यकर्ता आज देश के दिल दिल्ली में

मोदी सरकार 3.0 में केंद्रीय मंत्री बन कर एकाएक सुर्खियों में है. कल तक राजनीतिक पटल पर गुमनाम सा चेहरा आज केंद्र के पटल पर है तो चर्चा होना लाजमी है... और हो भी क्यों नही तीसरी बार पीएम बन इतिहास रचने वाले ग्लोबल लीडर मोदी की सरकार में मंत्री बनना इतना आसान तो नही है ...

आज हर किसी की जुबां पर चर्चा के केंद्र में 'धार ' है तो धार की 'धार ' को राष्ट्रीय पटल पर गुंजायमान कर इतिहास रचने वाली साधारण सी कार्यकर्ता सावित्री ठाकुर केंद्रीय मंत्री बन आजाद भारत के इतिहास में धार– महू सीट से पहली लोकसभा से निर्वाचित सांसद है जो केंद्रीय मंत्री बनी है...

एक छोटे से गाँव से संघर्ष का सफर देश के दिल दिल्ली में ताज (सफलता) दिलवा दे..बस चलते रहने का हौसला रखिए.. क्या खूब कहा है।

रात नहीं ख्वाब बदलता है,मंजिल नही कारवां बदलता है,जज्बा रखों जीतने का क्यूंकि, किस्मत बदले न बदले, पर वक्त जरूर बदलता है।

हालिया लोकसभा चुनाव के पहले तक एक सामान्य भाजपा कार्यकर्ता (पूर्व सांसद / पूर्व जिपं अध्यक्ष) की भांति पार्टी की सेवा में जुटी थी शायद बहुतेरों को विश्वास भी नही था कि उन्हें इस बार लोकसभा का टिकट मिल जाएगा पर बस एक ही जुनून..एक ध्येय.. एक लक्ष्य.. देश के लिए कुछ कर गुजरना है.. मिशन एक ही था संतुष्टि मां भारती की सेवा से ही हासिल हो सकती है.... तभी तो निकल पड़ी देश सेवा को जीवन का ध्येय मान कर देश के दिल दिल्ली की और.. आज केंद्रीय मंत्री बन सावित्री ठाकुर ने धरमपुरी तहसील की पावन धरा , धार जिले की माटी और ह्दयप्रदेश मध्यप्रदेश को गर्वित किया है.

मीलों लंबे सफर की शुरुआत छोटे–छोटे कदमों से होती है ...

मीलों लंबे सफर की शुरुआत छोटे – छोटे कदमों से होती है यह पंक्तियाँ सटीक बैठती है धार जिले की धरमपुरी तहसील के छोटे से गाँव तारापुर की रहने वाली सावित्री ठाकुर पर उन्होंने संघर्ष के सफर में एक स्वयंसेवी संस्था में जुड़कर महिला समन्वयक के पद पर रहकर धार, खरगोन और इंदौर के गांवों में आदिवासी गरीब, पिछड़ी, अशिक्षित महिलाओं के उत्थान हेतु बचत करने हेतु महिलाओं के स्वयं सहायता बचत समूह प्रत्येक गांव में बनाए गए और उन्हें छोटी–छोटी बचत के बारे में प्रतिदिन सुबह–शाम बैठक ली और उनके भविष्य के लाभ के बारे में समझाना, उनके समूह के खाते बैंकों में खुलवाना, बैंकों से रोजगार हेतु ऋण दिलवाना, अगरबत्ती बनाने का महिलाओं को प्रशिक्षण देना, आदिवासी किसानों के खेतों में मेड़बंदी करवाना, सामाजिक कुरीतियों को दूर करना, बाल विकास केंद्र के माध्यम से बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा देना और फिर जिला पंचायत सदस्य , जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित हुई 2014 में लोकसभा सांसद पद पर निर्वाचित (कार्यकाल 2014 से 2019 तक) और 2024 मोदी सरकार 3.0 में केंद्रीय राज्य मंत्री....

क्या खूब कहा है... उसे गुमां है कि मेरी उड़ान कुछ कम है... मुझे यकीं है कि ये आसमान कुछ कम है..

हारे का सहारा खाटूश्यामजी का दरबार 14जून को

सुबह सवेरे सोहागपुर। हारे का सहारा खाटूश्यामजी का दरबार 14 जून को नगर के बिहारी चौक में सजेगा। खाटूश्यामजी के भव्य दरबार के साथ श्याम संकीर्तन का भी आयोजन संपन्न होगा। प्राप्त विवरण अनुसार 14 जून शुक्रवार को शाम 7 बजे से खाटू श्याम के भक्तों के द्वारा बाबा का अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। इसके साथ ही 56 व्यंजनों का भोग, पुष्प अर्पित,इत्र वर्षा सहित अखंड ज्योत कार्यक्रम का आकर्षण रहेंगे। उल्लेखनीय है कि बिहारी चौक के युवकों के तत्वावधान में आयोजित

कार्यक्रम में गायिका हर्ष शर्मा नागपुर , यशी चौरसिया जबलपुर , सूरज राजपूत नर्मदापुरम के द्वारा भगवान श्याम के सुंदर, आकर्षक एवं मनमोहक भजनों की प्रस्तुति देंगे। आयोजन समिति के सदस्यों ने बाबा खाटूश्यामजी के श्रृंगार के अद्भुत दर्शन एवं संकीर्तन के रसास्वादन हेतु महिलाओं के लिए बैठने की उत्तम व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण यूट्यूब चैनल अमृत वर्षा पर भी किया जाएगा।

ग्राम पंचायत कौंड़िया में विधायक श्री विश्वनाथ सिंह ने किया पौधरोपण

नरसिंहपुर। जिले में चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तेंदूखेड़ा विधायक श्री विश्वनाथ सिंह ने चांवरपाठा की ग्राम पंचायत कौंड़िया में आयोजित कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दी। उन्होंने यहां पौधरोपण कर पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक किया। इस दौरान जनसहभागिता से प्राचीन तलाब का जीर्णोद्धार का कार्य भी किया गया। इस दौरान अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी व कर्मचारी और आम नागरिक भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रदेश में जल स्त्रोतों को अविरल और प्रदूषण मुक्त किये जाने के लिए सामुदायिक सहभागिता के लिए चलाया जा रहा है। यह अभियान प्रदेश में 5 जून से 16 जून तक चलाया जा रहा है।

जन शिक्षा केंद्र स्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर। नवीन शिक्षण सत्र में विद्यालय में शासन की योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन एवम् मुख्य कार्य पालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दलीप कुमार के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय विकासखंड स्तरीय

समीक्षा बैठक के पश्चात विद्यालय प्रमुख की उपस्थिति में जन शिक्षा केंद्र स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित कर नवीन शिक्षण सत्र के पूर्व विद्यालय स्तर पर की जाने वाली समस्त गतिविधियों की समीक्षा कर कार्ययोजना तैयार की जा रही है इसी के चलते जिला परियोजना समन्वयक डॉ आर पी चतुर्वेदी, बी आर सी ओ पी राय के मार्गदर्शन में जनपद शिक्षा केंद्र नरसिहपुर के जन शिक्षा केंद्र रोंसरा अंतर्गत शासकीय शालाओं के संस्था प्रमुख की समीक्षा बैठक जन शिक्षक द्वय आर पी शर्मा, संजय मेहरा की उपस्थिति में आयोजित की गई जिसमें सी ए सी शर्मा द्वारा राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा दिशा निर्देश की जानकारी देते हुए नवीन शिक्षण सत्र में विद्यालय स्तर पर की जाने वाली तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी संस्था प्रमुख को शाला समय पर उपस्थित , शाला में नियमित प्रार्थना सभा, मूवमेंट पंजी सहित सभी शैक्षणिक रिकार्ड, गतिविधियों,विद्यालय के आवश्यक दस्तावेज के साथ नवीन शिक्षण सत्र की कार्योजना का संधारण, पालकों से गृह संपर्क, शाला की दर्ज संख्या बढ़ाने हेतु शिक्षक अभिभावक को गत सत्र की उपलब्धियों, बेहतर शैक्षणिक गतिविधियों के साथ शासन से मिलने वाली सुविधा से अवगत कराएं। नेस की तैयारी हेतु निर्धारित प्रपत्र में छात्र के कठिन बिंदुओं को चिन्हित कर स्थानीय अवधारणा से नए नवाचार को साझा कर छात्र की समझ अनुसार बिंदु पर चर्चा करें।

नर्मदा घाट पर नि:शुल्क तैराकी प्रशिक्षण शिविर का सादगी पूर्ण समापन..

नर्मदापुरम। नर्मदा युवा संस्था, जिला ट्राईथलान संघ एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दो माह से जारी ग्रीष्मकालीन नि:शुल्क तैराकी–ट्राईथलान खेल प्रशिक्षण शिविर का आज सादगी पूर्ण समापन हो गया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आरएसएस के नगर प्रमुख डॉ श्याम सुंदर मोटवानी विशिष्ट अतिथि संभागीय स्पोर्ट आफिसर गजेंद्र सुराजिया, मुकुल गुप्ता अध्यक्ष नर्मदा युवा संस्था के आतिथ्य में हुआ।

अतिथियों द्वारा 150 खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र वितरण कर संबोधन में तैराकी के महत्व को विस्तार समझाया, स्वीमिंग को लेकर अतिथियों ने यहां एक बड़ी रुचि और बड़ी मात्रा में प्रशिक्षणार्थियों का शामिल होना देखा प्रशिक्षकों के लिए एक तैराकी प्रशिक्षण देना गर्व का विषय कहा साथ ही इस बात उल्लेख किया कि इतनी तादाद में बच्चों की स्वीमिंग में रुचि सरकारी स्विमिंग पूल की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। उचित फोरम पर इसका प्रस्ताव रखने की बात कही अतिथियों ने रखी खिलाड़ियों के लगन के साथ साथ निरंतर अभ्यास करने के लिए उन्हें प्रेरित किया और माँ नर्मदा को साफ स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी स्वयं उठाने की सलाह दी और कहा शासन प्रशासन से आशा ना करें क्योंकि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बनती है। कि नदी को हम साफ–सुथरी रखे।

ज्ञातव्य हो की उक्त नि:शुल्क तैराकी प्रशिक्षण शिविर जो विगत 30 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है इसमें आज पर्यंत तक किसी भी प्रकार की दुर्घटना नहीं हुई है अपितु इस शिविर से प्रशिक्षण प्राप्त अनेक खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नगर व प्रदेश का नाम रोशन किया है जिनमें

प्रमुख रूप से हर्षिता तोमर, विश्वजीत कुशवाह, यश बाथरे, मोहन मंसूरियां,गोविंद कहार, रवि केवट, दीक्षा सिलवट, सोनाक्षी शर्मा,भारती कहार, चारु सराठे, बृजेश केवट, दीपक सैनी, दीपक सोनी अभिनेता मानव कौल डाक्टर राहुल हरने प्रमुख हैं इस दौरान प्रमुख प्रशिक्षक तथा सचिव उमाशंकर व्यास सहित योगेश परसाई,संदीप सेन, मुकुल सोनिया,अनुज ओमरे,धीरेन्द्र मिश्रा, वीरेन्द्र बबलू यादव,श्याम राजदेव,मुकेश अहिरवार, राजेश सोनी एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के अभिभावक उपस्थित रहे। गौरतलब रहे कि खेलों में सर्वाधिक लोकप्रिय स्वीमिंग को लेकर इस ग्रीष्मकालीन नि:शुल्क शिविर में खेल युवा कल्याण विभाग द्वारा विगत दो साल से इस आयोजन को कोई सहयोग नहीं दिया जा रहा है। जो सहयोग पूर्व में प्राप्त होता रहा है जबकि जिले में सबसे ज्यादा खिलाड़ी इसी शिविर में उपस्थित रहते हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान आज भी जारी रहा श्रमदान

सुबह सवेरे सोहागपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान के पांचवें दिन भी नगर पंचायत परिषद के कर्मचारियों ने पलकमती नदी की बदसूरती हटाने के लिए श्रमदान किया गया। इसी तारतम्य में पलकमती नदी में जेसीबी चलाकर कचरे को निकाला गया। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते पलकमती नदी में मिलने वाले गंदे नालों के पानी न मिलने की योजना पूर्व नपाध्यक्ष अध्यक्षों ने सकारात्मक कदम उठाए होते तो ऐसी पलकमती नदी की दुर्दशा नहीं होती। उल्लेखनीय है कि 6जून को नगर पंचायत परिषद की बैठक में संजीव शुक्ला ने पलकमती नदी में मिलने वाले नालों की रोकथाम करने की बात रखी थी।

इस अवसर पर आर जी चौबे, प्रदीप दुबे, प्रबुद्ध दुबे, हरगोविंद व्यास, प्रवेश ठाकुर ,नरेंद्र धुर्वे ,एच एल परते, अजितेश चंदेल,अनिल रघुवंशी रणधीर राधेश्याम रघुवंशी, राजेश रघुवंशी, कपिल सोनी, लक्ष्मी नारायण मालवीय, प्रहलाद किरार, सूर्यनारायण पठारिया,श्यामल डे, नीरज मलैया,लक्ष्मी नारायण मालवीय, राजेश मौर्य, हुकुमचंद मेहरा, दीपक कुमार,मुकेश मेहरा, विनोद माहोरिया आदि कर्मचारी उपस्थित थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गोटेगांव में जबराऊ तलैया की हुई साफ- सफाई

जबराऊ तलैया का होगा गहरीकरण व सौंदर्यीकरण

नरसिंहपुर। राज्य शासन के निर्देश पर प्रदेश में चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में साफ– सफाई, पौधरोपण, तलाबों का सौंदर्यीकरण व गहरीकरण जैसे अनेक कार्य किये जा रहे हैं। इसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आमनागरिक बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इसी क्रम में नगर पालिका परिषद गोटेगांव के बोस वार्ड में स्थित जबराऊ तलैया में पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल ने भूमिपूजन कर साफ–सफाई की गई। इस दौरान तलैया का गहरीकरण व सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इस दौरान अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण और नागरिकगणों ने भी अपनी सहभागिता दी।

प्रभारी कलेक्टर ने ली समय सीमा की बैठक

नरसिंहपुर। प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक ली। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह और विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख मौजूद थे। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, टीएल पत्रों, जिले में खाद– बीज की उपलब्धता और अन्य बिंदुओं पर चर्चा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

बैठक में प्रभारी कलेक्टर सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि बारिश के पूर्व शासकीय भ स्कूल, आंगनबाड़ी व अन्य शासकीय भवन की जर्जर स्थिति होने पर इसका प्रस्ताव पीडब्ल्यूडी से सत्यापन कराकर डिस्मेंटल की कार्यवाही की जाये। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी एसडीएम नगर पालिका एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों के साथ अपने– अपने अनुभाग में नगर की

दुकानों का भ्रमण करें। इस दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक व खाद्य सुरक्षा की सैंपलिंग करें।

बैठक में प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार ने बताया कि राज्य शासन द्वारा प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है। इसमें जल स्त्रोतों तथा नदी, तालाबों, कुआं, बावड़ी तथा अन्य जल स्त्रोतो के जल संरक्षण एवं पुर्नजीवन के साथ– साथ पौधरोपण के कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि इस अभियान में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जायें और जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाये। प्रतिदिन ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान, रैली, शपथ, संगोष्ठी, श्रमदान आदि कर इसका व्यापक स्तर पर प्रचार– प्रसार किया जाना सुनिश्चित करेंगे।

छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा में उप चुनाव 10 जुलाई को

आज से प्रभावशील हुई आदर्श आचार संहिता

भोपाल (नप्र)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग ने छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा में होने वाले उप चुनाव के लिए सोमवार 10 जून को तारीख की घोषणा कर दी है। उप चुनाव के तारीखों की घोषणा के साथ ही सोमवार 10 जून 2024 से छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है।

श्री राजन ने बताया कि उप चुनाव के लिए 14 जून से नाम-निर्देशन पत्र भरे जाएंगे। नाम-निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 24 जून को होगी। नाम-निर्देशन पत्र 26 जून तक वापस लिये जा सकेंगे। मतदान 10 जुलाई 2024 को एवं मतगणना 13 जुलाई को होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया शोक व्यक्त

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पत्रकार श्री देशदीप सक्सेना की माता जी और राजधानी के वरिष्ठ लेखक श्री घनश्याम सक्सेना की धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम सक्सेना के निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने ईश्वर से श्री देशदीप सक्सेना की माता जी एवं श्रीमती कुसुम सक्सेना की आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजन को यह दुख सहन करने की सामर्थ्य देने की प्रार्थना की है।

मोदी 3.0
राज्य मंत्री

	राज्य मंत्री	मंत्रालय
1	जितिन प्रसाद	वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी
2	श्रीपद येसो नाइक	उर्जा, रिनुएबल एनर्जी
3	पंकज चौधरी	वित्त
4	कृष्णपाल गुर्जर	सहकारिता
5	रामदास अठावले [RPI(A)]	सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता
6	रामनाथ ठाकुर (JDU)	कृषि एवं किसान कल्याण
7	नित्यानंद राय	गृह
8	अनुप्रिया पटेल [अपना दल(S)]	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक
9	वी सोमन्ना	जल शक्ति, रेलवे
10	पेम्मासानी चंद्रशेखर (TDP)	ग्रामीण विकास, संचार
11	एसपी सिंह बघेल	मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी, पंचायती राज
12	शोभा करांदलाजे	MSME, श्रम एवं रोजगार
13	कीर्तिवर्धन सिंह	पर्यावरण, विदेश
14	बी एल वर्मा	उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण
15	शांतनु ठाकुर	पोर्ट्स एंड शिपिंग
16	सुरेश गोपी	पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस, पर्यटन
17	एल मुरुगन	सूचना एवं प्रसारण, संसदीय कार्य
18	अजय टम्टा	सड़क परिवहन
19	बंदी संजय कुमार	गृह
20	कमलेश पासवान	ग्रामीण विकास
21	भगीरथ चौधरी	कृषि एवं किसान कल्याण
22	सतीश चंद्र दुबे	कोयला, खनन
23	संजय सेठ	रक्षा
24	नवनीत सिंह बिट्टू	खाद्य प्रसंस्करण एवं रेलवे
25	दुर्गादास उइके	जनजातीय
26	रक्षा खडसे	युवा एवं खेल
27	सुकांत मजूमदार	शिक्षा एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास
28	सावित्री ठाकुर	महिला एवं बाल कल्याण
29	तोखन साहू	आवास और शहरी मामले
30	राजभूषण चौधरी	जल शक्ति
31	भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा	भारी उद्योग एवं इस्पात
32	हर्ष मल्होत्रा	कॉर्पोरेट अफेयर्स, सड़क परिवहन
33	नीमूबेन बमभानिया	उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण
34	मुरलीधर मोहोल	सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन
35	जॉर्ज कुरियन	अल्पसंख्यक और फिशरीज, पशुपालन एवं डेयरी
36	पबित्रा मार्गरिटा	विदेश एवं कपड़ा

म.प्र. में 17-18 जून तक मानसून की एंट्री

छिंदवाड़ा के उमरेठ में तेज बारिश; एक सप्ताह प्री-मानसून की एक्टिविटी रहेगी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में मानसून 17 से 18 जून तक एंटर होगा। इससे पहले, प्रदेश में प्री-मानसून की एक्टिविटी रहेगी। सोमवार की शाम को छिंदवाड़ा में मौसम बदल गया और जिले के उमरेठ में जमकर बारिश हुई।

बता दें कि रविवार को धार, रतलाम, छिंदवाड़ा समेत कई शहरों में बारिश हुई तो निवाड़ी, दमोह और छतरपुर गर्म रहे। ऐसा ही मौसम अगले एक सप्ताह बना रहेगा। सोमवार को खंडवा, बुरहानपुर, डिंडोरी में तेज बारिश और आंधी चल सकती है।

भोपाल के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि रविवार को मानसून मुंबई में ऑनसेट हो गया। दो दिन बाद अरब सागर और बंगाल की खाड़ी की ब्रांच कमजोर हो जाएगी, जो एक सप्ताह तक ऐसी ही बनी रहेगी। 17 और 18 जून को बंगाल की खाड़ी की ब्रांच एक्टिव होगी। इसके बाद मानसून मध्यप्रदेश में पहुंच सकता है। इससे पहले, मानसून के प्रदेश में आने की उम्मीद कम ही है।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस, साइक्लोनिक सकुर्लेशन एक्टिव- प्रदेश में अभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सकुर्लेशन एक्टिव है। इस वजह से प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर चल रहा है। रविवार को धार, छिंदवाड़ा, रतलाम समेत कई शहरों में आंधी-बारिश वाला मौसम रहा। दूसरी ओर, प्रदेश के कुछ शहरों में गर्मी का असर भी देखने को मिला।

दमोह सबसे गर्म रहा। यहां दिन का तापमान 44.5 डिग्री रहा। निवाड़ी के पृथ्वीपुर और छतरपुर के बिजावर में टेम्प्रेचर 44.2 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश के टॉप-10 सबसे गर्म शहरों में टीकमगढ़ में 44 डिग्री, सिंगरौली में 43.8 डिग्री, खजुराहो में 43.6 डिग्री, नौगांव में 43.5 डिग्री, ग्वालियर में 43.4 डिग्री, सतना और रीवा में पारा 42.2 डिग्री दर्ज किया गया।

बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 40.9 डिग्री, इंदौर में 37.4 डिग्री, जबलपुर में 42.5 डिग्री और उज्जैन में तापामन 39.7 डिग्री दर्ज किया गया। पचमढ़ी में पारा सबसे कम 36.2 डिग्री दर्ज किया गया। मलाजखंड-छिंदवाड़ा में 37 डिग्री और धार में 37.4 डिग्री रहा।

शिवराज ने आडवाणी के पैर छूकर लिया आशीर्वाद

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद और राज्यपाल पटेल से भी मिले ; पत्नी-बेटों के साथ दिल्ली में रोपा पौधा

भोपाल (नप्र)। एनडीए संसदीय दल के नेता नरेंद्र मोदी ने रविवार को तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। मोदी कैबिनेट में मंत्री बनने के बाद शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली में पहला पौधा लगाया। उन्होंने पत्नी साधना सिंह चौहान, दोनों बेटे कुणाल और कार्तिकेय के साथ दिल्ली में मध्यप्रदेश भवन के करीब चंपा का पौधा रोपा। मीडिया से चर्चा में शिवराज सिंह चौहान ने कहा, पौधा लगाना जिंदगी का क्रम है। आगे भी लगाते रहेंगे।

इसके बाद वे सपरिवार पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मिलने पहुंचे। शिवराज ने पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और राज्यपाल मंगू भाई पटेल से भी मुलाकात की। उन्होंने आडवाणी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह से मिले सीएम डॉ. यादव- सीएम डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को दिल्ली में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। मध्यप्रदेश भवन में दोनों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई। सीएम ने शिवराज सिंह को केंद्रीय मंत्री बनने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की। इस दौरान पत्नी साधना सिंह और दोनों बेटे- कार्तिकेय और कुणाल भी उनके साथ थे। शिवराज पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और राज्यपाल मंगू भाई पटेल से भी मिलने पहुंचे।

ग्रामोद्योग गतिविधियों से स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जायेगा : मंत्री श्री जायसवाल

भोपाल। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि कुटीर एवं ग्रामोद्योग गतिविधियों के माध्यम से प्रदेश में स्व-रोजगार गतिविधियों को बढ़ावा दिया जायेगा। उन्होंने शिल्प गतिविधियों के आधार पर जिलेवार प्रोजेक्ट तैयार किये जाने के निर्देश मंत्रालय में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में दिये।

मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में हस्तशिल्प और हथकरघा के शिल्पी उपलब्ध हैं। आवश्यकता उनके द्वारा उत्पादित सामग्री को बाजार मुहैया कराये जाने की है। उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प विकास निगम सहित विभाग के सभी शोरूम पर सभी तरह की उत्पादित सामग्री को प्रदर्शित और विक्रय के लिये उपलब्ध कराया जाये। इससे उत्पादों को अच्छे दामों पर विक्रय किया जा सकता है।

मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि रेशम उत्पादन गतिविधियों से जुड़ी महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जायेगा। उन्होंने रेशम उत्पादन केन्द्रों को पीपीपी मोड पर विकसित करने की संभावनाएँ तलाशने के भी निर्देश अधिकारियों को दिये। वर्तमान में प्रदेश में 60 मीट्रिक टन कुकुन का उत्पादन हो रहा है, इसे बढ़ाये जाने की आवश्यकता है।

शहडोल में कालीन पार्क की कार्य-योजना बनाने के निर्देश- मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि शहडोल संभाग और उसके सीमावर्ती जिलों में बड़ी संख्या में कालीन उद्योग से जुड़े हुए कारीगर हैं। इनको तकनीकी और आर्थिक सहयोग मुहैया कराये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने शहडोल में कालीन पार्क की कार्य-योजना तैयार करने के निर्देश दिये है।

शासकीय विभागों और बैठकों में विंध्यवैली के उत्पादों को प्रोत्साहित किया जाये- मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि विभागीय विंध्यवैली के प्रोडक्ट उत्तम गुणवत्ता और सस्ती दरों पर उपलब्ध होते हैं। राज्य सरकार के सभी विभाग अपने कार्यक्रमों और बैठकों में विंध्यवैली के उत्पादों का उपयोग करें। इसके लिये राज्य शासन से सभी विभागों को निर्देश जारी किये जायेंगे।

नरों में उत्तम नरोत्तम से पूरे चुनाव में खौफ में रही कांग्रेस : राकेश शर्मा

लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद अब इस पर विश्लेषण हो रहा है कि भारतीय जनता पार्टी को जो मध्य प्रदेश में ऐतिहासिक सफलता मिली है उस सफलता में भाजपा के किन नेताओं ने क्या रोल अदा किया? पूरे चुनाव में सबसे ज्यादा चर्चा नरोत्तम मिश्रा की रही क्योंकि चुनाव के समय कोई भी ऐसा दिन नहीं गया जब कांग्रेस के किसी न किसी दिग्गज ने भारतीय जनता पार्टी का दामन नहीं थामा हो। मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने एक नई जॉइनिंग टोली बनाई थी, उसके प्रमुख का दायित्व नरोत्तम मिश्रा को दिया था। नरोत्तम मिश्रा की यह खूबी है कि उन्हें जो भी कम सौंपा जाता है उसके 100

प्रतिशत परिणाम आना निश्चित हो जाते हैं। काम के प्रति समर्पण नरोत्तम मिश्रा से सीखना चाहिए, पूरे लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के नेता इस खौफ में रहे की पता नहीं नरोत्तम मिश्रा अब कौन से नेता को भारतीय जनता पार्टी में शामिल करवाएंगे। वर्तमान विधायक, महापौर सहित कई वरिष्ठ नेता जो कांग्रेस की पहचान थे और जिनके दम पर कांग्रेस जनता के बीच रहती थी वह एक-एक कर भाजपा में शामिल हो गए। मध्य प्रदेश में नरोत्तम मिश्रा ने इतने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को और नेताओं को भाजपा में शामिल कराया कि वह एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बन गया।आज भाजपा ने अगर 29 में से 29 लोकसभा सीट जीती हैं तो उसमें बड़ा योगदान नरोत्तम मिश्रा का रहा। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के सबसे मजबूत उम्मीदवार जो अपने क्षेत्र राजगढ़ से चुनाव लड़ रहे थे, और भाजपा को कठिन चुनौती दे रहे थे ऐसे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से भाजपा ने राजगढ़ सीट जीतने की जवाबदारी नरोत्तम मिश्रा को दी, जिसमें वह सफल रहे और दिग्विजय सिंह की परंपरागत सीटों में गिने जाने वाली राजगढ़ सीट भाजपा की झोली में डाल दी। नरोत्तम मिश्रा को केलेस्टर का प्रभारी बनाया गया था वहां भी नरोत्तम मिश्रा ने भाजपा को 100 प्रतिशत सफलता दिलाई।चुनाव में लगातार प्रवास कर एक-एक नेता से संपर्क कर एक मजबूत रणनीति नरोत्तम मिश्रा ने बनाई थी साथ ही लगातार नेताओं और कार्यकर्ताओं से संपर्क कर भाजपा के प्रति पूरे चुनाव में माहौल बनाने वाले नरोत्तम मिश्रा के चेहरे पर कभी भी कार्यकर्ताओं ने थकान नहीं देखी। हमेशा चेहरे पर मुस्कुराहट और गर्मजोशी से कार्यकर्ताओं से मिलना यह नरोत्तम मिश्रा की खूबी है जो उन्हें एक चमत्कारिक नेता बनती है। कार्यकर्ताओं का मान सम्मान नरोत्तम मिश्रा की पहली प्राथमिकता है इसीलिए लगातार उनके आसपास कार्यकर्ताओं का हुजूम लगा रहता है।आज मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक सफलता दिलाने वाले प्रमुख किरदारों में नरोत्तम मिश्रा शामिल हैं।उनके इस परिश्रम का पुरस्कार अब भारतीय जनता पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व उन्हें जल्दी देगा। चर्चा का विषय आजकल यह रहता है कि गुना लोकसभा सीट से ज्योतिराज सिंधिया जीत गए हैं। अब उनकी राज्यसभा सीट खाली होगी उस राज्यसभा सीट पर जो प्रमुख नाम चल रहे हैं उसमें नरोत्तम मिश्रा का नाम भी शामिल है।पार्टी ने जो जवाबदारी नरोत्तम मिश्रा को दी है उसका निर्वहन उन्होंने किया है। चर्चा में आज भी वे कहते हैं कि मेरे विषय में पार्टी निर्णय करेगी और पार्टी का आदेश सर माथे पर। जल्दी ही नरोत्तम मिश्रा को भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व कोई बड़ी नई जवाबदारी देगा ऐसा पॉलिटिकल पंडित आजकल भविष्यवाणी कर रहे हैं।भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता भी उस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं जब उनके लाडले नेता उनके सुख-दुख में खड़े रहने वाले नरोत्तम मिश्रा नई जवाबदारी को संभालेंगे।

कमिश्नर ने चप्पल पहनकर शिवलिंग पर जल चढ़ाया

उज्जैन के मंदिर में की पूजा, हंगामा मचा तो माफी मांगी, बोले-भूल से ऐसा हुआ

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन संभाग के कमिश्नर संजय गुप्ता ने चप्पल पहनकर शिवलिंग पर जल अर्पित किया। इसका वीडियो भी सामने आया है। इसमें वे चप्पल पहने हैं जबकि उनके साथ खड़े दूसरे लोग नंगे पैर भगवान शिव का जलाभिषेक करते नजर आ रहे हैं। कमिश्नर ने शनिवार को महादेव मंदिर में पूजा की थी। वीडियो सामने आने पर हंगामा हुआ, सोशल मीडिया पर कमिश्नर से माफी मांगने की मांग की गई। इस पर कमिश्नर ने कहा कि उनसे भूल से ऐसा हुआ।

सफाई अभियान के बाद की थी मंदिर में पूजा- शनिवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शिप्रा नदी के रामघाट पर साफ-सफाई की गई थी। जनप्रतिनिधियों के अलावा अधिकारी भी अभियान में शामिल हुए थे। सफाई करने के बाद सभी ने महादेव मंदिर में पूजा की। इसी दौरान कमिश्नर गुप्ता ने चप्पल उतारे बिना ही शिवलिंग पर जल चढ़ाया।

वीडियो में नगर निगम कमिश्नर आशीष पाठक, निगम सभापति कलावती यादव और उज्जैन उत्तर के विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा भी दिखाई दे रहे हैं।

हालांकि, सभी ने पूजन से पहले ही जूते-चप्पल उतार दिए थे।

पार्षद ने कहा- ये हिंदू धर्म, संस्कृति का अपमान- बीजेपी पार्षद शिवेंद्र तिवारी ने कहा कि संभाग के सबसे बड़े अधिकारी ने चप्पल पहनकर जल चढ़ाया, ये हिंदू धर्म और संस्कृति का अपमान है। इतने बड़े अधिकारी का ऐसा करना असहनीय है। कमिश्नर को इस बात के लिए माफी मांगनी चाहिए।

कमिश्नर गुप्ता बोले- चप्पल तुरंत उतार दी थी- कमिश्नर संजय गुप्ता ने कहा, भूल से ऐसा हो गया था। जैसे ही पता चला तो तुरंत चप्पल उतार दी थी। अगर इससे किसी की भावना आहत हुई है तो माफी मांगता हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के ऐतिहासिक तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली कैबिनेट में लिए गए निर्णय पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने जताया आभार

भाजपा अपने संकल्प पत्र में किए गए हर वादे को पूरा करेगी: विष्णुदत्त शर्मा

नरेन्द्र मोदी जी ने गरीबों को पक्के मकान देने की गारंटी पूरी की

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने श्री नरेन्द्र मोदी जी के ऐतिहासिक तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद आज संपन्न पहली कैबिनेट बैठक में देश के गरीबों के लिए पीएम आवास योजना के तहत 3 करोड़ नए पक्के मकान बनाए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह गरीबों के हित में ऐतिहासिक और मानवीय संवेदनाओं से भरा निर्णय है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने तीसरे कार्यकाल की पहली कैबिनेट बैठक में ही भाजपा के संकल्प पत्र में 3 करोड़ नए मकान बनाने की गारंटी को पूरा करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय देश के गरीबों को पक्की छत देने के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की संवेदनशीलता को दर्शाता है।

यह निर्णय गरीबों के चेहरे पर खुशी लाएगा- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव के संकल्प पत्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने गरीबों के लिए पीएम आवास के तहत 3 करोड़ पक्के मकान बनाने की गारंटी दी थी। आज पहली ही कैबिनेट में प्रधानमंत्री जी ने गरीबों के लिए की गई गारंटी को पूरा करने का निर्णय लिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में यह हमारा कर्तव्य है कि ऐसे कदम भी उठायें जिससे देश की आम जनता और उनके परिवारों की खुशहाली बढ़ सके। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने यह ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भाजपा हर गारंटी पूरी करेगी- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव में अपने संकल्प-पत्र में जो वादे किए हैं और गारंटी दी है, वह अगले 5 साल में सभी पूरी की जाएंगी। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में बीते दस वर्षों में एनडीए सरकार द्वारा किए गए गरीब कल्याण और जनहितैषी कार्यों और योजनाओं को आगे और बेहतर तरीके से क्रियान्वित कर हर गरीब के चेहरे पर खुशहाली लाने का कार्य किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने गरीबोन्मुखी निर्णय के लिए प्रदेश भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार व्यक्त किया हैं।